



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 24, 1990 (फाल्गुन 5, 1911)  
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 24, 1990 (PHALGUNA 5, 1911)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—रक्षा मंत्रालय को छोड़कर भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों, संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं . . . . . 167	भाग II— खण्ड 3—उप-खण्ड (iii) भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल हैं) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं) . . . . . *
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं . . . . . 193	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश . . . . . *
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और सांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं . . . . . *	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . . 213
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं . . . . . 141	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और बिजाइनो से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस . . . . . 179
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियमों	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . . *
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ . . . . . *	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . . . 1069
भाग II—खण्ड 2—विशेषक तथा विधेयकों पर प्रचलित विधियों के विषय तथा रिपोर्ट . . . . . *	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस . . . . . 25
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को निभाने वाली अनुपूरक . . . . . *
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर, और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं . . . . . *	

\*आंकड़े प्राप्त नहीं।

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	167	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Byelaws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories) . . . . .	•
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	193	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .	•
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .	*	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .	213
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence . . . . .	141	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs . . . . .	179
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	•	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . .	•
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	•	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .	1069
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills . . . . .	•	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies . . . . .	25
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Byelaws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .	•	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi . . . . .	•
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories), . . . . .	•		

## भाग I—खण्ड 1 [PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

### औद्योगिक विकास विभाग

तकनीकी विकास महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1990

संकल्प

सं० सी० पी० 9 (1) 89—संकल्प सं० सी० पी० (7) 86—डी० पी०—दिनांक 6-6-1989 के क्रम में भारत सरकार ने कार्बन तथा ग्रेफाइट उत्पाद उद्योग की विकास नामिका के गठन का विस्तार निम्नलिखित अनिवार्य सदस्यों सहित करने का निर्णय लिया है —

18. श्री डब्ल्यू एम० डिमूजा, अध्यक्ष,  
गोवा कार्बन लि०, ईम्पो हाउस, कम्प्ले,  
परजिम, गोवा-403001।
19. श्री एन० वेकटारामानी, उप अध्यक्ष (कार्बन),  
कार्बन कारपोरेशन लि०, बल्लावर तूमरी मजिल,  
नरीमन पार्सड, बम्बई-400021।
20. श्री पी० के० ज्ञाना, कार्यकारी निदेशक,  
केमिकल एण्ड ग्लाईड प्रोडक्ट्स,  
एक्सपोर्ट प्रमोशन परिषद वाउन्सिल बिल्डिंग सेंटर,  
14/1-बी, इजरायली कलकत्ता-700007।
21. श्री सी० के० धर, प्रमुख (मार्केटिंग)  
स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया 2, कैप्टली प्लेस,  
कलकत्ता-700003।
22. डा० डी० एम० भट्ट, वैज्ञानिक 'ई', केन्द्रीय  
सेन्ट्रल पब्लिशिंग इन्स्टीट्यूट,  
पी० ओ० एफ० आर० 1-828108।  
धनबाद (बिहार)।

उपरोक्त दणार्थ गई विकास नामिका के अमावा दिनांक 6-6-1989 के संकल्प में विकास नामिका का शेष गठन वही रहगा।

आदेश

अदेश दिया जाता है कि संकल्प का एवं प्राप्त सभी संबंधिता को पंजरा जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प का एक प्रति सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में भी प्रकाशित की जाए।

मदन मोहन, निदेशक (प्रशासन)

नामिका के विचारार्थ विषय निम्न प्रकार से होंगे —

1. उद्योग के विकास की वर्तमान अवस्था पर विचार करना एवं उसके पीछे विकास के लिए उपाय के बारे में सुझाव देना।
2. उद्योग की विभिन्न आवश्यकताओं का राज्यवार क्षेत्रवार अध्ययन करना तथा बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए और अधिक क्षमता उत्पन्न करने के बारे में सुझाव देना।
3. उत्पाद की किस्म तथा प्रौद्योगिकी के उन्नयन सहित भावी प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाना।
4. विभिन्न समस्याओं में उपयुक्त अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं को बढ़ावा देना।

5. जिस सीमा तक मानकीकरण पर लिया गया है उसकी जांच करना तथा भारतीय मानक संस्थान के परामर्श से और अधिक मानकीकरण में विभिन्न कार्यक्रमों को प्रस्तुत करना।
6. कच्चे माल और ऊर्जा निवेशन की आवश्यकता एवं उनके संरक्षण/प्रतिस्थापन पर विचार करना।
7. देशी और आयातित दोनों प्रकार की मशीनरी आदि आवश्यकताओं पर विचार करना।
8. वर्तमान एकको का आधुनिकीकरण करना।
9. आयात प्रतिस्थापन/निर्यात संवर्धन।
10. तकनीकी कर्मचारियों की आवश्यकता और उनको प्रशिक्षण देना।
11. उद्योग में कार्य के स्थान तथा वातावरण में अपनाए गए प्रदूषण के उपाय की समीक्षा करना।
12. कोई अन्य उपयुक्त विषय।

ऊर्जा मंत्रालय

कोयला विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1990

संकल्प

सं० ई०-11011/7/84-हिन्दी—भारत सरकार ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) के संकल्प सं० ई०-11011/7/84-हिन्दी दिनांक 30 मई, 1986 के अन्तर्गत कोयला विभाग में सम्बन्धित विषयों पर लेखकों द्वारा हिन्दी में मौखिक पुरस्कार लिखित के लिए पुरस्कार प्रदान करने का एक योजना अधिसूचित की गई थी। इस योजना का नाम 'कोयला हिन्दी शब्द पुरस्कार योजना' है। इस योजना के अर्धान प्रथम और द्वितीय पुरस्कार की राशि क्रमशः ₹ 10,000—और ₹ 5,000—रखी गई थी। अब यह निर्णय लिया गया है कि इस योजना के अर्धान परम्पराओं का सम्बन्ध बढ़ाया जाए और लेखकों का क्रमशः 10,000—₹ का प्रथम, 5,000—₹ का द्वितीय तथा 5,000—₹ की राशि का तृतीय पुरस्कार दिया जाए।

इस योजना के सम्बन्ध में बाकी बातें पहले जैसी ही रहेंगी।

आदेश

आवण दिया जाता है कि संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों/संघ क्षेत्रों की सरकारों और भारत सरकार के सभी मन्त्रालयों विभागों और भारत के सभी विश्वविद्यालयों तथा सभी समाचार एजेंसियों को भेजी जाए।

यह आदेश दिया जाता है कि संकल्प को जन-साधारण की सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

श्रीमती शालिनी जमा निदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1990

शुद्धि-पत्र

सं० जी०-27019/1/89-प्रशा०—सूचना और प्रसारण मंत्रालय की दिनांक 15-12-1989 की समसूचक अधिसूचना में तीसरी पंक्ति में ('इन्साल किए जाने वाले' शब्दों के स्थान पर शब्द के लिए) प्रतिस्थापित किया जाए अधिसूचना की पाचवी पंक्ति में 'जुत के बाद' शब्दों को निम्नलिखित दिया जाए और अधिसूचना की इसी पंक्ति में 'प्रभावी' शब्द के बाद 'मई/जून, 1989 में' शब्द सम्मिलित किए जाएं।

एन० एम० शर्मा, अवर सचिव

## रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1990

## नियमावली

सं. 89/ई(जी.आर.)/18/2—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियाँ भरने के लिए 1990 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता इंजीनियरी सेवा परीक्षा की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहमति सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है—

## वर्ग 1—सिविल इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (2) भारतीय रेल भंडार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (3) केन्द्रीय इंजीनियरी पद
- (4) भारतीय सर्वेक्षण सेवा, ग्रुप 'क'
- (5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (6) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध
- (7) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) सिविल इंजीनियरी पद
- (8) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप 'क'
- (9) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) सीमा सड़क इंजीनियरी, सेवा ग्रुप 'क'
- (10) भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप 'क' (सिविल इंजीनियरी पद)

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (11) सहायक इंजीनियर (सिविल), सिविल निर्माण स्कन्ध आकाशवाणी ।

## वर्ग 2—यांत्रिक इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भंडार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (4) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (5) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (6) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (7) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियर का पद) तकनीकी विकास महा निदेशालय (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।

- (8) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत तथा यांत्रिक) यांत्रिक इंजीनियरी पद, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

- (9) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (10) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'
- (11) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' ।
- (12) सहायक प्रबन्धक (कारखाना), दूर-संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन) ।
- (13) कार्यशाला अधिकारी ग्रुप 'क' (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) ई-एम-ई केंद्र, रक्षा मंत्रालय ।
- (14) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) ।

## वर्ग 3—वैद्युत इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (5) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (वैद्युत) (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध) ।
- (7) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महा निदेशालय (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (8) भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप 'क' (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (9) भारतीय आपूर्ति सेवा, ग्रुप 'क' (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (10) भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप 'क' (सिविल इंजीनियरी आकाशवाणी) ।

## वर्ग 4—इलैक्ट्रॉनिकी और दूरसंचार

## इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) सिग्नल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (दूर-संचार) इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।
- (3) भारतीय दूर-संचार सेवा ।
- (4) इंजीनियर आयरलेस आयोजन और समन्वय स्कन्ध/अनुसंधान संगठन ।
- (5) भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा ।

- (6) भारतीय आयुर्वेद कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।
- (7) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।
- (8) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिदेशालय इलेक्ट्रानिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।
- (9) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।
- (10) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।
- (11) कार्यशाला अधिकारी ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ई. एम. ई. कोर, रक्षा मंत्रालय ।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन दिवसों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित रीति से ली जाएगी ।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा ।

2. उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं/पदों के वर्ग में से किसी एक या अधिक के लिए प्रतियोगी हो सकता है । उसे अपने आवेदन-पत्र में उन सेवाओं/पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिसके लिए वह वरीयताक्रम में विचार किए जाने का इच्छुक हो ।

विशेष ध्यान 1 :—उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह अपने आवेदन-पत्र में उन सभी सेवाओं/पदों का वरीयताक्रम में उल्लेख करे जिन सेवाओं/पदों के लिए वह नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र है । यदि वह किसी सेवा/पद का वरीयताक्रम नहीं लिखता है अथवा आवेदन-पत्र में किन्हीं सेवाओं/पदों को सम्मिलित नहीं करता है तो यह मान लिया जाएगा कि उन सेवाओं/पदों के लिए उसकी कोई विशिष्ट वरीयता नहीं है और ऐसी स्थिति में सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवारों के वरीयताओं के अनुसार आबंटन करने के पश्चात् जिनमें रिक्तियाँ होंगी उसका किसी भी शेष सेवाओं/पदों पर आबंटन कर दिया जाएगा । इस प्रकार का आबंटन करते समय उन उम्मीदवारों को पहले ग्रुप 'क' सेवाओं/पदों और बाद में ग्रुप 'ख' सेवाओं/पदों के लिए विचार किया जाएगा ।

विशेष ध्यान 2 :—उम्मीदवार जिन सेवा/पद से संबंधित वर्ग/वर्गों अर्थात् सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रानिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना बॉक्स) उनके अन्तर्गत आने वाली सेवाओं/पदों के बारे में उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई ध्यान तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो जाता है । आयोग या रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) उम्मीदवारों को कोई ऐसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे उनके आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए परिशिष्टित वरीयता निर्दिष्ट करने को कहा जाए ।

विशेष ध्यान 3 :—उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता बताएँ जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों, जिन सेवाओं और पदों के लिए वे पात्र नहीं हैं और जिन-

सेवाओं और पदों से सम्बन्धित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाना है । उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा ।

विशेष ध्यान 4 :—वे विभागीय उम्मीदवार, जिन्हें आयु सीमा में छूट के अधीन [वीसए नियम 5 (ब)] परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी गयी है, अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त किए जाने के लिए भी अपनी वरीयता दे सकते हैं । तथापि पहले उन्हें उनके योग्यताक्रम के अनुसार उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही उनके द्वारा दी गयी वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के सम्बन्ध में विचार किया जाएगा ।

विशेष ध्यान 5 :—नियम 6 के उपबन्ध में अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हीं वरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपबन्ध में निर्दिष्ट पदों के लिए हैं और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयताओं यदि कोई हों, पर विचार नहीं किया जाएगा ।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी । अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी ।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थायी निवास के द्वावे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थायी निवास के द्वावे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कोरिया, उर्गांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टंजानिका और जंजीबार, के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम) से प्रवृत्त कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो ।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बन्धित उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान कर दिया हो ।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो ।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 1990 को 20 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 28 वर्ष पूर्ण न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1962 से पहले और 1 अगस्त, 1970 के बाद न हुआ हो ।

(ख) नियम-दो के नीचे दिए गए विशेष ध्यान (3) में निर्दिष्ट शर्तों के अध्यायन रहत हुए निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारियों के लिए, यदि वे नीचे दिए गए कालम-1 निर्दिष्ट प्राधिकरणों के नियन्त्रणाधीन किसी विभाग/कार्यालय में नियुक्त हैं और कालम-2 में निर्दिष्ट सभी अथवा किसी सेवा (सेवाओं)/पद (पदों) के लिए परीक्षा में प्रवेश पाते हों, जिसके लिए वे अन्यथा पात्र हैं, आवेदन करते हैं—ऊपरी आयु-सीमा 28 वर्ष के स्थान पर 33 वर्ष होगी :

(1) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप से स्थायी पद पर है। उक्त विभाग/कार्यालय में स्थायी पद पर नियुक्ति परीक्षाधीन अधिकारों को उसकी परीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।

(2) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1990 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थायी सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो।

कालम 1	कालम 2
रेल विभाग	आई० आर० एस० ई०, आई० आर० एस० ई० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एस० ।
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी० ई० एस० ग्रुप क, सी० ई० एस० एस० ई० एस० ग्रुप क ।
आयुष कारखाना महानिदेशालय	आई० ओ० एस० एस० ग्रुप क
केन्द्रीय जल आयोग	सी० इन्स्प० ई० (ग्रुप क) सेवा ।
केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण	सी० पी० ई० (ग्रुप क) सेवा ।
वेतन आयोग तथा सम्बन्धित अन्य संगठन	इंजीनियर (ग्रुप क) ।
सर्वक सोमा संगठन	सीमा सर्वक इंजीनियरी सेवा ।
आकाशवाणी प्रसारण	भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा का कनिष्ठ क्लर्क, सहायक इंजीनियर (ग्रुप क) (सिविल इंजीनियरिंग), विभिन्न कम्प्यूटर विषय, आकाशवाणी
वायु-तार विभाग	भारतीय वायु-संचार सेवा, ग्रुप क सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल एअर) एवं क वायु-तार सिविल एअर सहायक अधिकारी (कारखाना) ग्रुप 'क' वायु-तार वायु-संचार कारखाना संगठन
विज्ञान तथा तकनीकी विभाग	भारतीय सर्वेक्षण सेवा, ग्रुप 'क' ।
तकनीकी विकास महानिदेशालय	सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) ग्रुप "क" ।
छात्रों और निपटाव महानिदेशालय	आई० एस० एस० (ग्रुप 'क') ।
भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण	यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क/ब' इंजीनियर (सिविल) ग्रुप 'क' ।

टिप्पणी 2—प्रशिक्षण की अवधि के बाद यदि उक्त में किसी कार्यकारी पद पर नियुक्ति हो जाती है तो उन्हें भी छूट से लाभान्वित के लिए प्रशिक्षण की अवधि रद्द सेवा मानी जायेगी ।

(6) शत्रु देश के साथ सघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्रों में ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जायेगी —

(1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(2) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 से भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(4) यदि उम्मीदवार वर्षा से 1 जून, 1963 का या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत-मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वर्षा से 1 जून, 1963 का या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत-मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(6) शत्रु देश के साथ सघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्रों में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निम्नित हुए रक्षा सेवा के कामियों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;

(7) शत्रु देश के साथ सघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्रों में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के इसके परिणामस्वरूप निम्नित हुए रक्षा सेवा के कामियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(8) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशनप्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अगस्त, 1990 का कम से कम 5 वर्ष की सीनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1990 में एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,

(9) भूतपूर्व सैनिक (कमिशनप्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों सहित) जो ब.जा. या अ.ज.जा. के हैं, तथा जिनका 1 अगस्त, 1990 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की हो और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1990

में एक वर्ष के अन्दर पूरा होना) (11) या सैनिक सेना में हुई शारीरिक अपगता या (12) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 10 वर्ष तक।

- (10) आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्प-कालीन सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1990 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और जयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष;

- (11) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1990 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और जयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष;

- (12) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा है तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक,

- (13) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का है और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान मध्यप्रदेश असम राज्य में रहा है, तो अधिक से अधिक ग्यारह वर्ष तक;

**टिप्पणी 1.**—भूतपूर्व सैनिक गण्य उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर रक्षासशक्त 'भूतपूर्व सैनिक' सिविल सेवा तथा पदा में पनगजगार नियम, 1979 में परिभाषित किया गया है।

**टिप्पणी 2.**—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनः रोजगार के लिए सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले की है तो भी उन्हें उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(ग) (8) और 5(ग) (9) के अधीन आयु-सीमा में कट के पात्र नहीं हैं।

**विशेष ध्यान**—जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5 (ख) या (ग) में उल्लिखित आय संबंधी गिरावटों देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है उसकी उम्मीद-नारी उस स्थिति में रहने पर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद वह परीक्षा देने में पहले या बाद में सेवा में न्याय-पत्र दे देता है या उसकी विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद में छूटनी हो जाती है तो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग या अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानांतरित हो जाता है वह उस सेवा/पद वाले विभाग की आय संबंधी गिरावट लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानांतरण न होने पर रहता बसते कि उसका आवेदन-पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अग्रणीय कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आय-सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

#### 6 उम्मीदवार—

- (क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए;

अथवा

- (ख) इजीनियरी की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग क और ब उत्तीर्ण हो, अथवा

- (ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कॉलेज/संस्था से इजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए, जिसे समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो; अथवा

- (घ) इलेक्ट्रानिकी और दूर-संचार इजीनियरी की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा

- (ङ) भारतीय वैमानिकी सोसायटी की एसोसिएट मेम्बरशिप परीक्षा भाग 11 और 111 खण्ड क और ख उत्तीर्ण हो; या

- (च) यांत्रिक इजीनियरी की संस्था (भारत) की एसोसिएट मेम्बरशिप परीक्षा (भाग क और ख) उत्तीर्ण हो; या

- (छ) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इलेक्ट्रानिकी और रेडियो संचार इजीनियरी की संस्था (लंदन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

नवम्बर 1959 में पहले इलेक्ट्रानिकी और रेडियो इजीनियरी की संस्था (लंदन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा भी निम्नलिखित स्थितियों में स्वीकार्य होगी :—

- (1) कि जिन उम्मीदवारों ने नवम्बर, 1959 से पहले ली गई परीक्षा उत्तीर्ण की है वे ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा की 1959 के बाद की योजना के अनुसार निम्नलिखित अतिरिक्त प्रश्न-पत्रों में बैठें हों और उनसे उत्तीर्ण हों :—

(1) रेडियो और इलेक्ट्रानिकी 1 के सिव्थान (सेक्शन "ए")

(2) गणित 11 (सेक्शन "बी")।

- (2) कि संबंध उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) पर निर्धारित गतों को पूरा करने के लिए इलेक्ट्रानिकी और रेडियो इजीनियरी की संस्था (लंदन) से प्रमाण-पत्र लेकर प्रस्तुत करना चाहिए।

किन्तु वायरलैस आयोजन तथा समन्वय स्कema/अनुश्रवण मंगलन संचार मंत्रालय में इंजीनियरी ग्रुप क. भारतीय प्रसारण इंजीनियरी सेवा तथा भारतीय नौसेना आयुध सेवा (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पब) के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो जैसे :—

वायरलैस संचार इलेक्ट्रॉनिकी रीडियो भौतिक या रीडियो इंजीनियरी के विशेष विषय के साथ एम. एससी डिग्री या समकक्ष ।

टिप्पणी 1 :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह सीधेक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है । जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है । ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा । परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण बख्ती से जल्दी और हर हालत में 17 दिसम्बर, 1990 तक नीचे निर्धारित पत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है ।

टिप्पणी 2 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अहंताओं में से कोई अहंता न हो बसते कि उम्मीदवार किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है ।

टिप्पणी 3 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अहंक प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विश्वेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त नहीं है वह भी आयोग को गवेषण कर सकता है और उसमें आयोग की विवेका पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है ।

7 उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शर्तों का भुगतान अवश्य करना चाहिए ।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हों अथवा जो लोक उद्यमों में सेवारत हों, उन सबको इस आशय का परिवर्तन (अपडेटिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सचिंत कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया ।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बंध अनमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी ।

9 परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा ।

10 किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो ।

11. आयोग ने जिस उम्मीदवार को दोषी पाया अथवा घोषित किया हुआ हो :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बवल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्यवाहन कराया है, अथवा
- (4) बाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को बियाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य किये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर-पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखीं हों जो असली भाषा में या अभद्र आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का बर्ह्यवहार किया हो, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
- (11) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्र के साथ शारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (12) उपर्युक्त बंधों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवग्रेत करने का प्रयत्न किया हो ।

तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसी अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :—

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है ।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और



(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विवक्षा पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु बुलाए न जा सकते हैं तो आयोग उनकी स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से लिए गए कूल प्रान्तांक के आधार पर उनके योग्यताक्रम के अनुसार नामों की सूची उताग्या और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर उचित अनारक्षित खाती जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों की योग्यताक्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुसूचा की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हैं।

(1.1) आयोग द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन-जाति के उम्मीदवारों की, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, स्तर में छूट देकर सिफारिश की जा सकेगी किन्तु शर्त यह है कि ये उम्मीदवार सेवा पर नियुक्त के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के जो उम्मीदवार अन्य समुदायों के उम्मीदवारों के साथ-साथ इस उप-नियम में वर्णित किसी छूट का लाभ उठाए बिना चुने जाते हैं उनका समा-योजन अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किम रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए योग्यताक्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

विभागीय उम्मीदवारों को योग्यताक्रम के अनुसार पहले उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के हो जाने बशवा ऐसे उम्मीदवारों के, उनमें अपने विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही, उन्हें उनके द्वारा दी गई योग्यताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के संबंध में विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात में संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पर्ववत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपर्युक्त है।

17. उम्मीदवारी को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टररी परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनकी डाक्टररी जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्य दिवस को की जाएगी (शनिवार और रविवार तथा छुट्टियों वाले दिन डाक्टररी जांच नहीं होगी) इस प्रयोजन के लिए सभी परीक्षा उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे, बंसल रोड नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार अपना समय नहीं लाते तो उन्हें हाल ही के चश्मे के नम्बर के साथ चिकित्सा मोड्युल उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टररी जांच की तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध सामान्य स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टररी जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा में संबंधित विनियमों की ओर आकर्षित किया जाता है। उनमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक स्वस्थता के मापदण्ड अलग-अलग हैं। अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं जिनके सेवाओं/पदों के लिए सं. लो. सं. आ. को वरीयता बतायी है उन सेवाओं के विशेष संवर्ग में इन मापदण्डों को ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :—

- (1) उनको (सोलह रुपये) रु. 16/- की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;
- (2) डाक्टररी जांच के संबंध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और
- (3) उम्मीदवार की डाक्टररी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उन्हें रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा डाक्टररी जांच से संबंधित अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी।

परीक्षा में बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के कार के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टररी परीक्षा करवा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन सम्बन्धी परीक्षाओं में गजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मापक परिशिष्ट—II में दिए गए हैं। संघर्ष के दौरान नियुक्ति प्राप्त और परिणामस्वरूप नियुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों को नियुक्त सेवा की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में से छूट दी जा सकती है।

## 18. जिस व्यक्ति ने —

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नि पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नि के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात में सन्तुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम में छूट दे सकती है।

19 उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं की उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जो कि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी है।

20 इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट—III में दिया गया है।

ए. एन. शुक्ला सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट I

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी —

भाग-1—लिखित परीक्षा दो भागों में होगी। भाग 1 में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग 2 में परम्परागत प्रश्नपत्र होंगे। दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा शाखाओं जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर संचार इंजीनियरी की पूरी पाठ्यचर्या होगी। इन प्रश्न पत्रों के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यचर्या परिशिष्ट की अनुसूची में दिए गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग-2—लिखित परीक्षा के आधार पर अहंता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार का व्यक्तिगत परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :—

श्रेणी-1—सिविल इंजीनियरी  
(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
<b>खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र</b>			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य श्रेणी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न पत्र I	11	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न पत्र II	12	2 घंटे	200
<b>खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र</b>			
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	13	3 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	14	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी II—यांत्रिक इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
<b>खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र</b>			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य श्रेणी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	21	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	22	2 घंटे	200
<b>खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र</b>			
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	23	3 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	24	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी III—विद्युत इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
<b>खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र</b>			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य श्रेणी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
विद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	41	2 घंटे	200
विद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	42	2 घंटे	200
<b>खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र</b>			
विद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	43	3 घंटे	200
विद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	44	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी IV—इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर-संचार इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
<b>खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र</b>			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य श्रेणी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	61	2 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	62	2 घंटे	200
<b>खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र</b>			
इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	63	3 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	64	3 घंटे	200
योग			1000

3. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहले तथा मेषा शक्ति, व्यवहार कौशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उर्जीशक्ति, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्र्य निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएंगे। प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी ह्रासत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपनी विवक्षा से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. लिखाई सरफ होने पर लिखित विषयों के पूर्णिक में से 5 प्रतिशत तक अंक काट दिए जाएंगे।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात के धेय दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में प्रत्यक्ष प्रभाव पूर्ण होनी चाहिए और सही हो।

10. प्रश्न-पत्रों में यथा आवश्यक ताँगे और आप की मीटरों प्रणाली से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट—उम्मीदवारों को जब भी इच्छा समझा जाएगा परीक्षा भवन में सन्दर्भ हेतु भारतीय मानक संस्थान द्वारा संकलित तथा प्रकाशित मीटरों इकाइयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

11. उम्मीदवारों को परम्परागत (निबन्ध) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बंदरी से चयन वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर अगिने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षा पुस्तिका) के उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

12. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्र के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अन्तराष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

### परिशिष्ट 1 की अनुसूची

#### स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न पत्र का स्तर वसा ही होगा वसा कि एक इंजीनियरी विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। अन्य विषयों के प्रश्न पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा। किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

#### सामान्य योग्यता परीक्षण (कोड संख्या 01)

भाग (क) सामान्य अंग्रेजी—अंग्रेजी का प्रश्न पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार को अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कौशल प्रयोग की जाच हो सके।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन—सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र से सामयिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्मिलित

होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती हैं तथा जिनको किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सकेंगे।

#### सिविल इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

#### प्रश्न पत्र I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्र के लिए कोड सं. 11 और परम्परागत प्रश्नपत्र के लिए कोड सं. 13

1. भवन सामग्री और निर्माण—पत्थर इमारती लकड़ी, ईंट, सीमेंट, लेप, कंक्रीट रचित, इत्यादि।
2. घन यांत्रिकी  
प्रतिबल, विकृति, घन द्रव्य का विकलन सिद्धांत, साधारण बंकन और विमोटन के सिद्धांत, अपरूपण केन्द्र।
3. आलेखी स्थितिकी  
बल बहुभुज प्रतिबल आरेख
4. संरचनात्मक विश्लेषण  
ट्रसेज और फ्रेम का विश्लेषण प्लास्टिक विश्लेषण का परिचय।
5. धातु संरचना का अभिकल्पन  
कार्यकारी प्रतिबल और साधारण रचना के अर्थ सामर्थ्य अभिकल्पना
6. कंक्रीट और चिनाई रचना का अभिकल्पन  
चिनाई दीवार का अभिकलन, कार्यकारी प्रतिबल समतल का अभिकल्पन, प्रबलित और प्रतिबलित कंक्रीट प्रबलित और प्रतिकूलित कंक्रीट का सामर्थ्य अभिकल्पन।

#### प्रश्न पत्र-II

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए कोड सं. 12 और परम्परागत प्रश्न पत्र के लिए कोड सं. 14

1. तरल यांत्रिकी जल स्रोत; इंजीनियरी।  
विवृत चैनल और पाइप प्रवाह, जल विज्ञान, नहरों का अभिकल्पन और जलीय संरचना।
2. मृदा यांत्रिकी और आधार इंजीनियरी और उनके सामान्य सिद्धांत, प्रबलता प्राचल भूमि दाब के सिद्धांत उथले और गहरे आधारों के अभिकल्पन।
3. रेल इंजीनियरी तथा सर्वेक्षण कार्य सहित परिवहन इंजीनियरी, सड़क अतिउन्नयन नियमन प्रवणता, कुट्टिम, यातायात नियन्त्रण, अभिकल्पन विचारण।
4. पर्यावरण इंजीनियरी  
जल स्वच्छता, सीवेज अभिक्रिया एवं निपटान
5. निर्माण, नियोजन और प्रबन्ध  
निर्माण पद्धति के तत्व, बार चार्ट, सी. पी. एम., पी. ई. और टी.

## यांत्रिकी इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्नपत्रों के लिए)

## प्रश्न-पत्र-1

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्रों के लिए कोड सं. 21 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 23

## 1. उष्मागतिकी

नियम, आदर्श गैसों और वाष्प के गूण धर्म, विद्युत चक्र, गैस पावर चक्र, गैस टरबाइन चक्र, ईंधन और दहन

## 2. आइ. सी. इंजन

सी. आइ. और एस. आइ. इंजन, अधिस्फोटन ईंधन अतःश्रेषण और कार्बुरेशन निष्पादन और परीक्षण टर्बो जेट और टर्बो प्रोपेलर इंजन, राकेट इंजन नाभिकीय शक्ति संयंत्र और नाभिकीय ईंधन का प्रारम्भिक ज्ञान।

## 3. वाष्प बायलर, ईंधन वाष्प टरबाइन, प्रारूप, नाजल से वाष्प प्रवाह, आवेग और अभिक्रिया टरबाइन के वेग आरेख दक्षता और नियंत्रण।

## 4. संपीडित गैस गतिकी और गैस टरबाइन, प्रत्यागामी केन्द्रभिमुख और पक्षीय प्रवाह के संपीडित वेग आरेख, दक्षता और निष्पादन। प्रवाह पर यांत्रिकी बलों का प्रभाव, आइसेन ट्रापिक प्रवाह, नोजल से सामान्य प्रपात और प्रवाह बहुचरणीय संपीडन सह-गैस टरबाइन चक्र, पूरकतापन, पुनरुत्पादन।

## 5. उष्मा अन्तरण, प्रशीतन और वातानुकूलन चालन, संवहन और विकरण उष्मा विनिमयक प्रारूप। सम्मिलित उष्मा अन्तरण। सम्पूर्ण उष्मा अन्तरण गुणांक प्रशीतन और उष्मा पम्प चक्र। प्रशीतन प्रणाली। निष्पादन के गूणांक—साइक्रोमीट्रिक और साइक्रोमिट्रिक चार्ट कम्पट सूचक, प्रशीतन और निराद्रीकरण विधि। औद्योगिक वातानुकूलन प्रक्रिया। शीतलन और तापन भार गणना।

## 6. तरलों के वर्गीकरण और गूणधर्म, तरल स्थैतिकी शुद्ध गतिकीय और गतिकी; सिद्धांत और प्रयोग; दबांतरमापीय और उत्प्लावन। आदर्श तरलों का प्रवाह। स्तरीय तथा प्रक्षुब्ध प्रवाह। परिसीमा स्तर सिद्धांत/निभज्जित वस्तुओं पर प्रवाह। पाइपों और छली नालियों में प्रवाह, विमीय विश्लेषण तथा साक्ष्य तकनीक।

अविमीय विशिष्ट गति तथा सामान्यतः तरल मशीनों का वर्गीकरण; उर्जा हस्तांतरण संबंध। पम्पों और आवेगों तथा प्रतिक्रिया जल टरबाइन का निष्पादन और संचालन। दबंगति विद्युत संचारण।

## प्रश्न-पत्र—1।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्रों के लिए कोड सं. 22 और परम्परागत प्रश्नपत्र के लिए कोड सं. 24

## 7. मशीनों का सिद्धांत (1) गतिमान पिंड (2) मशीनों के वेग और त्वरण क्लाइन निर्माण, मशीनों में

जड़त्व बल, कैम्स, गियर और गियरन गतिपालक चक्र और नियामक, पिंडों का पूर्ण एवं प्रत्यागामी-संतुलन स्वतंत्र और प्रणोदित कम्पमान की प्रणाली शैफ्ट की क्रान्तिक गति और भ्रमरी।

## 8. मशीन अभिकल्पन

पंच बंधन और पावर स्कू का जोड़—कंजियां कांटरास, युग्मन—वैल्व संधि पारगमन पद्धति—पट्टा और चैन चालित-तार रज्जु—शैफ्ट का अभिकल्पन।

गियर—सपी और रोलिंग बेयरिंग।

## 9. पदार्थों की सबलता

द्विविभागीय प्रतिबल और विकृति मोहर चक्र प्रत्यास्थताओं के बीच सम्बंध। किरणपुंज—बंकन आघूर्ण अपरूपक बल और विक्षेप शैफ्ट—सम्मिलित बंकन प्रत्यक्ष और मोरोडों प्रतिबल धूल—वाल्व सिलिण्डर और दाब के अंतर्गत गोलक स्प्रिंग, आलम्बन स्तम्भ और कालम विफलन का सिद्धांत।

## 10. इंजीनियरी पदार्थ

मिश्र धातु और धातु मिश्रण तत्व ताप अभिक्रिया; संयोजन, गूणधर्म और प्रयोग, प्लास्टिक और अन्य नए इंजीनियरी पदार्थ।

## 11. उत्पादन इंजीनियरी

धातु मशीनीकरण—कर्तन औजार, औजार धातु, घिसाई और यांत्रिकीकरणीयता कर्तन शक्ति का माप प्रक्रियाएं—मशीनीकरण—प्रेषण, बेधन, गीयर निर्माण धातु रूपांकन, धातु संचकन और सम्मिलन बेसिक, विशेष प्रयोजन, कार्यक्रम और संख्यात्मक नियंत्रित मशीनी औजार, जिग और अनुलग्नी (तत्वों का अवस्थापन)।

## 12. औद्योगिक इंजीनियरी

कार्य अध्ययन और कार्य की माप मजदूरी प्रोत्साहन उत्पादन कीमत और उत्पादन प्रणाली का अभिकल्पन, संयंत्र विन्यास के सिद्धांत—उत्पादन नियोजन एवं नियन्त्रण, पदार्थ व्यवस्था सक्रिय विज्ञान। रैखिक प्रोग्रामन पंक्ति सिद्धान्त इंजीनियरी जाल विश्लेषण। सी. पी. एम. एवं पी. ई. आर. टी. संगणकों का उपयोग।

## वैद्युत इंजीनियरी

(वस्तुपरक और परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

## प्रश्न-पत्र—1।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 41 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 43

## 1. वैद्युत परिपथ

जाल प्रमेय, ज्यावकीय जाल के सोपान, रैम्प, आवेग और ज्यावकीय निवेश की अनुक्रिया, आवृत्ति क्षेत्र का विश्लेषण, द्विपद्धर, जाल संश्लेषण का तत्व संकेत प्रवाह श्राफ।

## 2. ई. एम. सिद्धांत

वैद्युत स्थैतिक, सदिश प्रणाली का प्रयोग करते हुए चुम्बक स्थैतिक चुम्बकीय पदार्थों और चालक के अन्तर्गत पराविद्युत के क्षेत्र । समय परवर्ती क्षेत्र, मैक्सवेल का समीकरण, चालन पराविद्युत मिडिया में समतल तरंग संचरण, संचरण लाइन का गुणधर्म।

## 3. पदार्थ विज्ञान । (वैद्युत—पदार्थ)

पट्ट सिद्धांत स्थितिज और वैकलिष्क क्षेत्रों का व्यवहार, दाव विद्युत । धातु की चालकता अति चालकता पदार्थों का चुम्बकीय गुणधर्म। फेरी और फेरी—चुम्बकत्व अर्धचालकों में चालकता हाल प्रभाव ।

## 4. विद्युत मापन

मापन के सिद्धांत, परिपथ पेंटामीटर का सेतु मापन, माप यंत्र । डी. टी. डी. एम. तथा सी. आर. डी. क्यू.—मीटर, स्पेक्ट्रम विश्लेषक । ट्रान्स-इम्पेडेंस तथा गैर—विद्युत मात्राओं का मापन, अंकीय मापन दूरमापन तथ्य अभिलेखन तथा प्रदर्श।

प्रश्न पत्र-1।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 42 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 44

## 5. अभिकलन के तत्व

अंकीय प्रणाली, एल्गोरिथम विधियां, प्रवाह—संचित्रण भंडारण, प्ररूप विवरण, सरणी भंडारण अंक गणित निष्पीड़न, तार्किक निष्पीड़न निर्दिष्टीकरण विवरण, कार्यक्रम संरचना, वैज्ञानिक तथा इंजीनियरी अनु-प्रयोग ।

## 6. विद्युत उपकरण तथा प्रणालियां

विद्युत यांत्रिकी : विद्युत यांत्रिकीय ऊर्जा रूपान्तरण के सिद्धांत। डी. सी. तत्कालिक तथा प्रेरण मशीनों का विश्लेषण। भिन्नात्मक अवयव-शक्ति मोटर । नियन्त्रण प्रणालियों में मशीनें ट्रांसफार्मर्स। चुम्बकीय परिपथ तथा परिचालकों के लिए मोटरों का चयन। विद्युत प्रणाली—विद्युत उत्पादन: तापीय जलीय तथा नाभिकीय, विद्युत संचरण, कोरोना, प्ल चालक, विद्युत प्रणाली रक्षण। वार्षिक परिचालन, लोड आवृत्ति—नियन्त्रण, स्थायित्व विश्लेषण।

## 7. नियंत्रण प्रणालियां

विद्युत—पाश तथा संवृत पाश प्रणालियां, अनुक्रिया विश्लेषण, मूल केन्द्र प्रविधि, स्थायित्व, प्रतिपूरण तथा अभिकल्पन प्रविधियां। स्थिति-परिवर्ती उप-गमन ।

## 8. इलेक्ट्रानिक तथा संचार

लघु सिगनल प्रवर्धक अभिकल्प, पुनर्भरण प्रवर्धक कॉलिम तथा संक्रियात्मक प्रवर्धक एफ. ई. टी. परिपथ तथा रेडिओ काई. सी. । स्विचन परिपथ द्वितीय बीजगणित, तर्क परिपथ, सांयोजिक तथा इलेक्ट्रानिकी—धनावस्था युक्तियां तथा परिपथ। अनुक्रमिक अंकीय परिपथ ।

संचार—सिगनल विश्लेषण सिगनलों का प्रेषण। माड्यूलन तथा विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियों का संसूचन। संचार प्रणालियों का निष्पादन।

## इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्नपत्रों के लिए)

प्रश्न पत्र-1।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 61 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 63

## पदार्थ

## 1. सामग्री, घटक तथा युक्तियां :

वैद्युत इंजीनियरी सामग्रियों की संरचना तथा गुणधर्म निष्क्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म। सक्रिय घटक—प्रकार का गुणधर्म—धनावस्था युक्तियां—भौतिक लक्षण तथा नमूने ।

## 2. जाल सिद्धांत

जाल प्रमेय: विद्युत परिपथों की स्थिर अवस्था तथा क्षणिक अनुक्रिया । परिपथ जाल विश्लेषण। प्रारम्भिक परिपथ जाल संश्लेषण ।

## 3. विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत

क्षेत्रगत सिद्धांत। संचरण लाइन सिद्धांत। एंटीना सिद्धांत परिबद्ध तथा अपरिबद्ध मीडिया में विद्युत चुम्बकीय तरंगों का प्रवर्तन ।

## 4. मापन तथा यंत्रीकरण

विद्युत मात्राओं का आधारभूत माप। यंत्रों का मापन तथा उनकी कार्य-प्रणाली का सिद्धांत। ट्रांसड्यूसर्स विद्युत मात्राओं का माप।

प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 62 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 64

## 1. रेडिओ तथा अरेडिओ अनुरूप परिपथ

मूल रेडिओ इलेक्ट्रानिक परिपथ । स्पंद—रूपण परिपथ। तरंग आकार जनित्र। स्थायीकारक।

## 2. अंकीय परिपथ

तर्क परिपथ तथा गेट। संगणन परिपथ। सांयोजिक तथा अनुक्रमिक परिपथ ।

## 3. नियन्त्रण प्रणालियां

पुनर्भरण सिद्धांत। नियन्त्रण प्रणाली घटक। नियन्त्रण प्रणालियों की अनुक्रिया । व्यावहारिक प्रणाली का अभिकल्पन ।

## 4. संचार प्रणालियां

मूल सूचना सिद्धांत । माड्यूलन तथा संसूचन प्रक्रियाएं । विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियां । रेडियो तथा लाइन संचार । दूरदर्शन तथा रेडार संचार सहाय, अनुगामी संचार सिद्धांत ।

## 5. सूक्ष्म-तरंग इंजीनियरी

सूक्ष्म-तरंग स्रोत। सूक्ष्म-तरंग घटक तथा जाल मापन तथा सूक्ष्म-तरंग आवृत्तियां । सूक्ष्म-तरंग संचार प्रणालियां ।

## परिशिष्ट—2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम ।

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं । ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एग्जामिनर्स) को मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है । तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता । किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी ।

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा ।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने का संभावना हो ।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जा भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए । यदि वजन, कद और छाती के घेरों में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए । ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा ।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के घेरों के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेरा (पूरा फुलाकर)	कैलाव
रेल इंजीनियरी सेवा (सिविल विद्युत यांत्रिक और सिग्नल) और के० सो० नि० वि० में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' (क) पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152 सें०मी०	84 सें०मी०	5 सें०मी०
(ख) महिला उम्मीदवारों के लिए	150 सें०मी०	79 सें०मी०	5 सें०मी०

अनुसूचित जनजातियां तथा उन जातियों जैसे गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि जनजातों से कद स्पष्टतः हो कम होता है; के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दो जा सकती है ।

(ग) सना इंजीनियरी सेवाओं ग्रुप 'क', भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप 'क', कर्मशाला अधिकारी (ग्रुप क और ग्रुप ख) के लिए छाती की माप में कम से कम 5 सें० मी० के फैलाव की गुंजाइश रखनी होगी ।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपने जूत उतार देगा और माप दंड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाए एड़ियों के पावों के अंगुठों या किसी ओर हिस्से पर न पड़े । वह बिना अकड़ सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब और कंधे मापदंड के साथ लगे होंगे । उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटव्स आफ दी हैड लंबल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आए । कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा ।

4. उम्मीदवार के छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उस इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों । फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा अंसफलक (शोल्डर ब्लण्ड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगल्स) के पीछे लगा रहे और वह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे । फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएँ ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए । तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि । माप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नाट नहीं करना चाहिए ।

विशेष ध्यान :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापी जानी चाहिए ।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा, आधा किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नाट नहीं करना चाहिए ।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी । प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(1) सामान्य—किसी रोग या असामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी । यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (काण्टि-गुजस स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा ।

(2) दृष्टि-तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी)—दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आंख की नजर (नकॉड आई विजन) की काइ न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा हार् रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की जन्म का मानक निम्नलिखित होगा —

सेवाएं	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी	खराब	अच्छी	खराब
	आंख	आंख	आंख	आंख
	(ठीक से हुई दृष्टि)	(ठीक से हुई दृष्टि)	(ठीक से हुई दृष्टि)	(ठीक से हुई दृष्टि)
1	2	3	4	5

#### क. तकनीकी

1 रेल इंजीनियरी सेवा (सिग्नल, बिजुत, यांत्रिकी और सिग्नल)

2 केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क के केन्द्रीय बिजुत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क'

केन्द्रीय जन इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय शक्ति 4/6 अथवा 6/12 जे। जे।

इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप क, तथा तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप क सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) तथा बिजुत ग्रुप क (भारतीय दूरसंचार इंजीनियरी स्कन्ध) 4/9 4/9

आई० डब्ल्यू० सी० एंड सी० स्कन्ध अनुश्रवण संगठन, संचार पत्रालय में इंजीनियर का पद भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा, भारतीय नौसेना आयुक्त सेवा में भारतीय आयुक्त सेवा ग्रुप 'क' सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख' आकाशवाणी का सिविल निर्माण स्कन्ध। सहायक चिकित्सक अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी ब्रिगाद महानिदेशालय।

3. सेना इंजीनियरी सेवा 6/6 6/8 जे। जे।  
ग्रुप क सहायक प्रबन्धक (कारखाना) ग्रुप 'क' डाकघर दूरसंचार कारखाना संगठन तथा कारखाना अधिकारी ग्रुप 'क' ग्रुप 'ख' 6/9 4/5

1	2	3	4	5
ख गैर तकनीकी				
4 भारतीय रेल भंडार	6/9	6/12	जे।	जे।
नवा भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क'				
तथा भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिकी इंजीनियर (कनिष्ठ)				
ग्रुप 'क' बमा इंजीनियर (कनिष्ठ)				
ग्रुप 'क'				

#### टिप्पणी (1)

(क) उपर्युक्त क पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में मायोपिया (सिलेंडर सहित) का कुल परिणाम—4.00 डी. से अधिक नहीं होगा। हाइपरमेट्रोपिया (सिलेंडर सहित) का कुल परिणाम — 4.00 डी. से अधिक नहीं होगा। किन्तु शर्त यह है कि 'तकनीकी' रेल मंत्रालय (रेल विभाग के अधीन संचालित अलावा) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाई, मायोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नव विशेषज्ञों के विरोध बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मायोपिया रोगात्मक है या कि नहीं यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि संबंधित अपेक्षाएं पूरी कर दे।

(ख) मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में जांच करना चाहिए और उसके नतीजे का रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार के कोई रोगात्मक अवस्था हों जिसकी बढ़ने और उमर उम्मीदवार की कार्यक्षमता पर असर पड़ने की सम्भावना हो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

#### टिप्पणी (2)

तकनीकी विकास महानिदेशालय में भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के और सहायक विकास अधिकारी इंजीनियरी के अलावा उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में वर्ण-दर्शन की जांच अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण—अवगम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो नैटर्न में द्वारक (एप्चर) के आकार पर निर्भर हों —

ग्रेड	वर्ण अवगम का उच्चतर ग्रेड	वर्ण अवगम का निम्नतर ग्रेड
1. नैटर्न और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16'	16'
2. डाक (एप्चर) का आकार	1.3 मिमी मीटर	13 मिमी मीटर
3. दिखाने का समय	5 सेकण्ड	5 सेकण्ड

रेल इंजीनियरिंग सेवा (सिविल विद्युत सिग्नल और यांत्रिक) और जन सुरक्षा से संबंधित अन्य सेवाओं के लिए उच्च ग्रेड के वर्ण दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन का पर्याप्त माना जाना चाहिए —

सेवाओं/पदों के वर्ण जिनके लिए उच्च या निम्न ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है नीचे दिए जा रहे हैं —

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्चतर ग्रेड का दर्शन अनिवार्य है :—

- (1) इले इंजीनियरी सेवा
- (2) गैर इंजीनियरी सेवा
- (3) सड़क केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (4) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा
- (5) सहायक कारखाना प्रबंधक (कारखाना) (आक-तार : 1 डाक-तार कारखाना संगठन)।

(6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(7) कर्मचाला अधिकारीय ग्रुप 'क' तथा ग्रुप 'ख' तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए निम्नतर ग्रुप का दर्शन अनिवार्य है :—

- (1) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा
- (2) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा
- (3) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा का ग्रेड
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा
- (5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा।
- (6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) ग्रुप 'क' (आक-तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध) बला 1 डाक-तार।
- (7) भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा का कनिष्ठ अंश मान।
- (8) इंजीनियर ग्रुप 'क' बतौर आयोजन और सम्बन्ध स्कन्ध अनुश्रवण संगठन।
- (9) सहायक इंजीनियर (सिविल वैद्युत) ग्रुप 'ख' आकाश वाणी का सिविल निर्माण स्कन्ध।

लाल हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से और हिम किचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक वर्ण दर्शन है। वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिए इतिहास की प्लेटों तथा एडिरेज की नेट्स—दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए सम्मूह विधि द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)—रतौंदी (नाइट व्साइजर्नेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौंधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतौंधी या अन्धेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मॉडकल बोर्ड को है ऐसे काम चलाउ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों को कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)—केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा होते उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रतौंधी संबंधी परीक्षण पास करना होगा। भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' के लिए उम्मीदवार को 'त्रिविम संगलन' परीक्षण पास करना होगा।

टिप्पणी (6)—दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशाएं (आक्यलर कण्डीशन)।

(क) आंख की अंग संबंधी बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन गुण (रिफ्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता को कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) भंगापन—उपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है, भंगापन अयोग्यता माना जाएगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो। यदि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य सेवाओं हेतु भंगापन अयोग्यता नहीं माना जाएगा।

(ग) यदि कोई एक आंख वाला व्यक्ति है या उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य है तथा दूसरी आंख की दृष्टि कमजोर है या उसकी दृष्टि उपसामान्य है तो इसका सहज प्रभाव यह होता है कि गहनता अवगमन के लिए उनके पास त्रिविम दृष्टि की कमी है। कहीं सिविल पर्वों के लिए ऐसी दृष्टि जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने की अनुरोध कर सकता है। बशर्ते कि उसी सामान्य आंख :—

(1) को चश्मा लगाकर या चश्मे के बिना दूर दृष्टि 6/6 और निकट दृष्टि 3। बशर्ते कि किसी मेरीडियन में दूर दृष्टि संबंधी श्रेण 4 मायोट्रस से अधिक न हो।

(2) का दृष्टि-क्षेत्र पूर्ण हो।

(3) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दर्शन।

किन्तु बोर्ड संतुष्ट हो कि उम्मीदवार संदर्भित कार्य विशेष संबंधित सभी कारवाइ कर सकता है।

"तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिए दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण किया हुआ उपयुक्त मानक लागू नहीं होगा।

टिप्पणी (7)—कान्टेक्ट लेंस—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टेक्ट लेंस प्रायोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

टिप्पणी (8)—यह आवश्यक है कि आंखों का परीक्षण करते समय दूर दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 15 फुट फण्डल की प्रदीप्ति जैसी हो।

टिप्पणी (9)—सरकार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में विशेष कारणवश किसी भी शर्त में छूट दे सकती है।

## 7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपनी विवक्षा से काम लेगा। नार्मल मेक्जीमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।
- (2) 25 वर्ष की उम्र की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 + आधी आयु का सामान्य विनियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।



विशेष ध्यान सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. से ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम. एम. से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि धबकाहट (एक्माइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कार्यात्मक (फंक्शनल) बीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्स-रे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त प्रिया निवास (क्विलरैस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार को योग्य होने पर या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

#### ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित पारं वाले दाबमापी (मरकरी मैनीमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म का व्यायाम या धबकाहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बसते कि वह और विशेषकर उसकी बांह छिपिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत एरिजेंटल स्थिति में रोगी के पाईर पर हो तथा उसके कंधे तक कण्डा नतार देना चाहिए। कफ में से परी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भेजा की अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कण्डे की पट्टी को फैला कर समान रूप में लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बांह घसीटी (ब्लैकअन आउटरींग) को दबा दबा कर हटा जाता है और सब उसके ऊपर बीच-बीच स्ट्रेच स्क्रैप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ मेलने। कफ में लगभग 200 एम. एम. सी. हवा भरनी जाती है। और इसके बाद हमसे से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारं का कालम चिह्न होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जायगी तो और तेज ध्वनियां सनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर साफ और अच्छी सनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लग्न प्राय हो जाय तो यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफ़ी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का तबाव रोगी को लगा शोथकारक होता है और हमसे जीवित शक्ति होती है। यदि होवारा पेशान करनी जरूरी हो तो कफ में से परी हवा निकाल कर कुछ मिनट के साथ ही ऐसा किया जाय। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सनाई पड़ती हैं। हाव गिरने पर ये गायन हो जाती है तथा निम्न स्तर पर एक प्रकट हो जाती है। इस "साइलेन्ट गैप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किया गया मात्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिपोर्ट किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मर में सामयिक जांच द्वारा शक्य का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मध्यमे (इंटरमिडियेट) के शोधन बिन्दु और नक्षत्रों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को एक्जाम्प्ले मेड (एक्जाम्प्लेमरिया) के सिवाय अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड अनुरूप पाय तो वह

उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि एक्जाम्प्ले मेड (नान डायबोटिक) है और बोर्ड इस केम की मेडिकल के किसी ऐसे विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैण्डर्ड ब्लड शुगर टालरन्स टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी दूसरे अवसर पर उम्मीदवार को लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए, यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसके अस्थाई रूप से सब तक अस्थायी घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण किया जाना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की बराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की बराबी का इलाज शल्य क्रिया (ऑपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बसते कि कान की बीमारी बहने वाली न हो यह उपबंध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, भारतीय वर संचार सेवा, ग्रुप 'क' केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और सीमा सड़क इंजीनियरी की सेवा ग्रुप 'क' पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग वार्षिक जानकारी दी जाती है :—

1	2	3
(1)	एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा।	यदि हायर फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर-तकनीकी कार्यों के लिए योग्य।
(2)	दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रवण यंत्र द्वियार्य (एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।	यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।
(3)	सेंट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मैम्ब्रेन का छिद्र।	(1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मैम्ब्रेन का छिद्र हो तो अस्थाई आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा से स्थिति सुधरने पर दोनों कानों

1	2	3	
		में माजिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(ii) के अन्वीक्षित विचार किया जा सकता है।	(ख) वह बिना हकलाहट भोज लेता/लेती है।
	(2) दोनों कानों से माजिनल या एटिक वेधन होने पर अयोग्य।		(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगें हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को गौरव समझा जाएगा)।
	(3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।		(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती का फैलाव पर्याप्त है तथा उसका दिल व फेफड़े ठीक हैं।
(4) काम के एक और (दोनों ओर) से मस्टायड कैविटी के सब मार्मल अक्षण।	(1) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड कैविटी से घुनाई देता हो दूसरे कान में सब मार्मल अक्षण वाले कान/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।		(च) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
	(2) दोनों ओर से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य। किसी भी काम की आवश्यकता अक्षण यंत्र लगा कर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।		(छ) उसे हाईड्रोसिस, स्फीत शिरा या बवासीर तो नहीं है।
(5) बहुतेरे होने वाला काम कार्यरत किया गया/ बिना आपरेशन वाला।	तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य।		(ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है और उसकी ग्रंथियां भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं।
(6) नास पट की हड्डी संबंधी बिचमनाथी (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा इससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक/एलजिक वक्र।	(1) प्रत्येक मामले के परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।		(झ) उसके कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी नहीं है।
	(2) लक्षणों सहित नासापटु बिचमनाथी बिचमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।		(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष नहीं है।
(7) टोंसिल धीर या कण्ठ की जीर्ण प्रवाहक वक्र।	(1) टोंसिल धीर या कण्ठ की जीर्ण प्रवाहक वक्र। योग्य।		(ट) उसके किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निदान नहीं है जिससे कमजोर गठन का पता लगे।
	(2) यदि आवाज में अत्यधिक बर्जकता बिचमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।		(ठ) उसके शरीर पर टीके के निशान हैं।
(8) कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के कन्के अक्षय्य अपने काम पर डेलिगनेट होना।	(1) हल्का द्यमर—अस्थायी रूप से अयोग्य।		(ण) कोई संचारी (कम्यूनिकोबल) रोग नहीं है।
	डेलिगनेट द्यमर अयोग्य।		
(9) आटोसि किलैरोसिस	(2) आटोसि किलैरोसिस आपरेशन बाद या अक्षण यंत्र की सहायता से अक्षणता 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य।		
(10) कान, नाक अथवा गले के अक्षय्य दोष।	(1) यदि काम काज में बाधक नहीं—योग्य।		
	(2) यदि शारीर भागा में हकलाहट हो—अयोग्य।		
(11) नेजलप्ली	अस्थायी रूप से अयोग्य।		

11. दिल और फेफड़ों की किसी अपसामान्यता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात नहीं सभी मामलों में जेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में संदेह की स्थिति में मेडिकल बोर्ड को अध्यक्ष सरकारी नौकरी करने के लिए उम्मीदवार को योग्य स्वास्थ्य या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल की किसी उपयुक्त विशेषज्ञ की सलाह ले सकते हैं जैसे यदि यह पता चले कि उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या विकार में ग्रस्त है तो बोर्ड को अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोवैज्ञानिक/ मनोविज्ञानी आदि की सलाह से सकते हैं।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देने चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा इयटी के अपेक्षित दक्षतापूर्वक निष्पादन में समेकित पढ़ने की संभावना है या नहीं।

12. उन उम्मीदवारों को जो मेडिकल बोर्ड के किसी निर्णय के खिलाफ अपील करना चाहते हैं तो उन्हें भारत सरकार रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा निर्धारित रीति से 50 रु. का अपील शुल्क जमा करना होगा। यह शुल्क उन उम्मीदवारों का वापस कर दिया जाएगा जिन्होंने अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किया जाएगा जबकि अन्य मामलों में यह शुल्क जमा कर लिया जाएगा। उम्मीदवार को अपनी अपील के साथ किसी रेजिस्टर्ड डॉक्टर का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करके विशेष तौर पर यह उल्लेख करना चाहिए कि उम्मीदवार का चिकित्सा बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित किए जाने की उसे जानकारी है। जब उम्मीदवार स्वयं चिकित्सा बोर्ड के सामने उपस्थित हों तो उनके पास इस प्रमाण पत्र की प्रती अवश्य होनी चाहिए। उम्मीदवार को पहले मेडिकल बोर्ड के निर्णय को स्वीकार करना होगा जो 21 दिन की भीतर अपनी अपील प्रस्तुत कर देने चाहिए अन्यथा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के निष्पादन का अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलीय मेडिकल बोर्ड की



यदि माता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहिनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहिनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	--	---	---

5	6	7	8

6. क्या इससे पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

7. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं में पद (पदों) के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?

8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

9. मेडिकल बोर्ड कब और कहाँ था ?

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ?

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति को बैठने का जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्धक्य नियुक्ति भत्ता (सुपरएन्यूशन अलाउन्स) का अनुतोषित (प्रोव्यूटी) के सभी दावों से हाथ धी बैठेगा।

(ब) (उम्मीदवार का नाम)

की शारीरिक परीक्षा से सम्बन्ध/मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास	साधारण		
कम			
पोषण : पतला	मौसत	मोटा	
कद (जूते उतार कर)	वजन		
अत्युत्तम वजन		कब था	

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन

तापमान				
छाती का घेरा				

(1) पूरा सांस बीचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. रक्ता कोई प्रत्यक्ष बीमारी

3. नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) रतीभी

(3) वर्ण दर्शन संबंधी दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एंगल मीटर)

(6) फंडस की जाँच

दृष्टि की तीक्ष्णता	चरम के बिना	चरम की प्रवृत्ति
		चरम के साथ स्वी० सिवि० एक्स०
दूर की नजर	वा० ने० बा० ने०	
पास की नजर	वा० ने० बा० ने०	
हाईपरमेट्रोपिया	वा० ने० बा० ने०	

4. कान निरीक्षण सुनना

बायाँ कान बायाँ कान

5. ग्रंथियाँ पाइरास्ट

6. दाँतों की हालत

7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर मांस के अहंगों में किसी असमान्यता का पता चलता है।

यदि हाँ, तो उसका पूरा ब्यौरा दें

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलैटरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक विकृत (आंगीनिक लीजन) (ब्लॉक) (रॉट)

बड़े होने पर

25 बार फूँकने के बाद

फूँकने के 2 मिनट बाद

(ब) ब्लड प्रेशर सिस्टॉलिक  
डायस्टॉलिक

9. उदर (पेट : घेरा स्पर्शसह्यता (टेंडरनेस)

हार्निया

(क) स्पर्शय यकृत

तिल्ली

ह्यूमर

(ख) रक्तार्श

भगन्दर

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक असक्षमता का संकेत।

11. चलन तंत्र (लोकामोटर सिस्टम) कोई अपसामान्यता

12. जनन मंत्र तंत्र (जैनेटी यूरीनरी सिस्टम) : डाइग्रेडो-सील, बरिकासील आदि का कोई संकेत। मंत्र वि-लेषण

- (क) कैसा दिखाना पड़ता है ?
- (ख) विशिष्ट गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)
- (ग) एल्ब्यूमेन
- (घ) शक्कर
- (ङ) कास्ट
- (च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा से सम्बद्ध जिसका वह उम्मीदवार है, ड्यूटी के दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

नोट : —यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो उसे विनियम 9 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं से सम्बद्ध ड्यूटी के दक्षतापूर्वक तथा लगातार निष्पादन के लिए सब प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है ? क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है ?

नोट :— बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित तीन बर्गों में से किसी में रिकार्ड करना चाहिए :—

- (1) योग्य (फिट) . . . . .
- (2) . . . . .

अध्यक्ष . . . . .

सदस्य . . . . .

स्थान . . . . .

तारीख . . . . .

#### परिशिष्ट—1.1.1

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है।

1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा, और भारतीय रेल भंडार सेवा।

(क) परीक्षा :—इन सेवाओं के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें दो वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यूनतम एक वर्ष के लिए परीक्षा पर रहना होगा। यदि उक्त प्रशिक्षण को संतोषजनक रूप से पूरा न करने के कारण किसी स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़ा तो तबनुसार परीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी। परीक्षा की अवधि के दौरान भी यदि कार्यकारी पद पर काम संतोषजनक नहीं पाया गया तो सरकार द्वारा परीक्षा की कुल अवधि को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ख) प्रशिक्षण :—समस्त परीक्षाधीन अधिकारियों को सेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण लेना होगा। उन्हें इस अवधि के लिए उक्त प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए।

(ग) नियुक्ति की समाप्ति :—

(1) परीक्षा की अवधि के दौरान दान पक्षों में से किसी एक पक्ष की ओर से तीन महीने का लिखित नोटिस देकर परीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु संविधान के अनुच्छेद 311 के खण्ड (2) के उपबन्धों के अनुसार की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा से बर्खास्तगी और सेवा से हटाने के तथा मानसिक एवं शारीरिक अक्षमता के फलस्वरूप अनिवार्य सेवा निवृत्ति के मामलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा किन्तु सरकार को तत्काल सेवाएं समाप्त करने का अधिकार है।

(2) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक है या उसके कार्य बहाल बनने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(3) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। परीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(घ) स्थाईकरण :—परीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिये सभी दृष्टियों से योग्य समझे जाने पर परीक्षाधीन अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ बतनमान में स्थाई कर दिया जायेगा।

(ङ) बतनमान :—

- (1) कनिष्ठ बतनमान—रु. 2200-75-2800-ब. से 100-4000।
- (2) वरिष्ठ बतनमान—रु. 3000-100-3500-125-4500।
- (3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 3700-125-4700-150-5000।
- (4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 5900-200-6700।

इसके अतिरिक्त रु. 5900 तथा 8000 के बतन के बीच के सूपरग्रेड बतनमान वाले पद भी जिनके लिए उपर्युक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

परीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ बतनमान के न्यूनतम बतन में प्रारम्भ करेंगे तथा उस समय बतनमान में अवकाश पेंशन तथा बतन वृद्धियों के लिये परीक्षा पर बिताई गई अवधि को गिनाये की अनुमति होगी।

महंगाई तथा अन्य भत्ते सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार प्राप्त होंगे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतन वृद्धियाँ को रोकना या स्थगित किया जा सकता है।

(ब) प्रशिक्षण व्यय लाटाना :—यदि किसी ऐसे कारणवश जो सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी के नियंत्रण से बाहर नहीं है, कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण अवधि परीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उस परिवीक्षा की अवधि के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य धनराशियाँ को वापस करना होगा। इस प्रयोजन के लिये परिवीक्षाओं से एक बन्ध-पत्र की अपेक्षा की जायेगी जिसकी एक प्रति उनके नियुक्ति प्रस्ताव के साथ संलग्न की जाएगी। किन्तु जिन परिवीक्षाधीन अधिकारियों का भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विद्युत् सेवा आदि में नियुक्ति हेतु परीक्षा के लिए आवेदन करने हेतु अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय को वापस नहीं करना पड़ेगा।

(छ) छुट्टी :—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी के पात्र होंगे।

(ज) चिकित्सा सुविधा :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होंगे।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकटों के पात्र होंगे।

(ञ) भविष्य निधि तथा पेंशन :—उक्त सेवा के लिए भत्ता किये गए उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा शासित होंगे और समय-समय पर लागू उस निधि के नियमों के अन्तर्गत राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) में अंशदान करेंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिये भर्ती किये गए उम्मीदवारों को भारत या भारत से बाहर किसी भी रेलवे या परिव्याजना पर कार्य करना पड़ सकता है।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का दायित्व :—यदि आवश्यकता हुई तो नियुक्ति किये गए परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारत की रक्षा से सम्बन्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बन्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

## 2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप के

और

केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रुप के

(क) जुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर नियुक्ति किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परिवीक्षा संतोषजनक रूप में पूरी कर लेने पर यदि स्थाई पद उपलब्ध हुए तो उनके स्थाई कर्तव्य/कार्य करने रहने पड़ेंगे बिना किया

जाएगा। परिवीक्षा की दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बढ़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थाई/नियोजन/वरकरारी के उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा की बढ़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति वरकरारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

(ख) जैसी कि इस समय स्थिति है, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप के में नियुक्ति सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर के उच्चतर ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाद अगले उच्च ग्रेड अर्थात् कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदोन्नति में पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियाँ उपलब्ध हों और वे ऐसी पदोन्नति के अन्यथा योग्य पाए जाएं।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बन्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बन्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्ति वर्ग निम्न प्रकार है :—

पद	वेतनमान
1	2
(1) कनिष्ठ समय वेतनमान (सहायक कार्यपालक इंजीनियर)	ब० 2200-75-2800 ब० 100-100-4000
(2) वरिष्ठ समय वेतनमान (कार्यपालक इंजीनियर)	ब० 3000-100-3500 125-4500
(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अधीक्षक इंजीनियर)	ब० 3700-125-4700 150-5000
क. सामान्य ग्रेड	
ख. ज्येष्ठ ग्रेड	ब० 4800-150-5700
(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चीफ इंजीनियर)	ब० 5900-200-6700
(5) सुपर टाइम स्केल	
अपर महानिदेशक	ब०/7300-7600
महानिदेशक (इन्स्पेक्टर)	ब०/8000 नियत
	(ये पद सभी तीन विषयों अर्थात् सिविल, इलेक्ट्रिकल और यांत्रिक तथा वास्तु इंजीनियरों के लिए समान हैं)।

नोट :— जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आधिकारिक पद के अथवा किसी स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन पृष्ठ. भा. 22 (बी) (1) के अनुसार चिनिमित्त किया जाएगा।

(क) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) और केन्द्रीय वायुयान और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) के पदों से संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप।

#### 1. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार को) जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय, भवन संस्था तथा अनुसंधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे महामार्ग तथा पुल आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते पवॉन्त होकर विभाग में विभिन्न वरिष्ठ ओहवों पर पहुँच जाते हैं।

#### 2. केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार को) के विद्युत घटकों को जिसमें विद्युत संस्थान इलेक्ट्रिकल सब-स्टेशन तथा पावर हाउस, वाता-मूकन तथा प्रशीतन, हवाई अड्डों की रनवे लाइटिंग, यांत्रिक कर्मशालाओं का परिचालन, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्मिलित हैं। आयोजन, अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव में कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते पवॉन्त होकर विभाग में विभिन्न वरिष्ठ ओहवों पर पहुँच जाते हैं।

#### 3. भारतीय वायुयान कारखाना सेवा (ग्रुप क)

(क) चने हुए उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे। सरकार महानिदेशक, वायुयान कारखाना अध्यक्ष वायुयान कारखाना बोर्ड की सिफारिश पर परीक्षा अवधि घटा या बढ़ा सकती है। परीक्षाधीन व्यक्ति को सरकार द्वारा यथाविहित विभागीय तथा भाषा परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा। भाषा के परीक्षण का हिन्दी में परीक्षण होगा।

सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थाई कर दिया जाएगा। किन्तु परीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि जितनी ठीक समझे और बढ़ा सकती है।

(ख) (1) चने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़े तो सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी परीक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) उम्मीदवारों पर एस. आर. ओ. नं. 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के संशोधित प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइबीलिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उन में निर्धारित चिकित्सा स्तर को अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान दिये हैं —

कनिष्ठ समय वेतनमान रु. 2200-75-2800-व रॉ. 100-4000/-

वरिष्ठ समय वेतनमान रु. 3000-100-3500-125-4500/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड सामान्य ग्रेड रु. 3700-125-4700-150-5000/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड) रु. 4500-150-5700/-

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु. 5900-200-6700/-

वरिष्ठ जनरल मैनेजर रु. 7300-100-7600/-

अतिरिक्त महानिदेशक, वायुयान कारखाना/सहस्य, वायुयान कारखाना बोर्ड रु. 7300-200-7500-250-8000/-

महानिदेशक वायुयान कारखाना/अध्यक्ष वायुयान कारखाना, बोर्ड रु. 8000/-

टिप्पणी :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्राविधिक पद को जलावा किसी स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का. जा. सं. 15(6)/64/डी. (एपाइन्टमेंट्स)/1051/डी. (सी. 4/1) दिनांक 25 नवम्बर, 1965 को उपबन्धों के अधीन चिनयमित किया जायेगा।

(घ) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को मंसूरी/नागपुर में फाउण्डेशन कोर्स करना होगा।

(ङ) इस प्रकार भर्ती हुए परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा प्रारम्भ करने से पहले एक वर्ष-पत्र भरना होगा।

#### 4. भारतीय वृत्त संचार (ग्रुप क)

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्ति परीक्षा पर की जायेगी। सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण यदि असंतोषजनक है या उसे बहु भाग्य होता है कि उसको कसलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा अवधि पूरी हो जाने पर सरकार, यदि स्थाई रिक्तियाँ उपलब्ध हुई, उस वक्त नियुक्ति पर स्थायी बना सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे सेवा-मुक्त कर सकती है या जितनी ठीक समझे उसकी अवधि के लिए उसकी परिवीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं निर्धारित की जाएँ, अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होंगी। उनको स्थायी किए जाने से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) अधिकारियों की व्यवसाय तथा भ्रामा-सम्बन्धी परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ग) इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बन्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए, किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बन्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को —

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(घ) ग्राह्य वेतन की दर निम्नलिखित है :—

कनिष्ठ वेतनमान रु. 2200-75-2800-द. रा. 100 4000/-

वरिष्ठ वेतनमान रु. 3000-100-3500-125-4500/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु. 3700-125-4700-150-5000/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अग्र ग्रेड) रु. 4500-150 5700/-

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 5900-200-6700/-

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उनका वेतन एफ. बार. 22 बी (1) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय दूरसंचार सेवा ग्रुप क के कनिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन्न वेतन रु. 2350/- या इससे अधिक है तो वह तब तक वेतन अधिप्राप्त नहीं करेगा। जब तक विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर ले।

(ङ) भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के पदों में सम्बन्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

#### सहायक डिवायजनल इंजीनियरी अधिकारी

सहायक डिवायजनल अधिकारी इंजीनियरी, टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी सब डिवायजन, कौन्सिल, एफ. टी., कोएकमजल, माइक्रोवेव, लॉग डिस्टेंस, इलेक्ट्रिक तथा वायरलेस के इन्चार्ज होंगे और सामान्यतः डिवायजनल इंजीनियर से अधीन कार्य करेंगे। वे विभिन्न दूर संचार निर्माण के संस्थापन संरचना करने के लिए परियोजना संगठन में भी कार्य कर सकते हैं।

#### सहायक डिवायजनल अधिकारी इंजीनियरी

डिवायजनल अधिकारियों इंजीनियरी के टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी सब डिवायजन, कोएकमजल, माइक्रोवेव सेंट्रल डिवायजन तथा वायरलेस डिवायजन शामिल हैं, का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रखने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनों के उपकरणों की रख-रखाव में पद जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिवायजन में रह करके कार्य करेंगे। जब डिवायजनल अधिकारी इंजीनियरी परियोजना संगठन पर लगाए जाते हैं तो उन्हें यंत्रों में निर्माण/संस्थापन कार्य करना होगा।

#### कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सर्किल और टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट में दूर संचार सम्बन्धी परिसम्पत्तियों के प्रशासन और दूर संचार संस्थाओं के प्रशासन तथा आयोजन के लिए, दूर संचार प्रणालियों आदि में अनुसंधान और विकास के लिए जिम्मेदार हैं। वे माइनर टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट, दूर-संचार सर्किल, आदि के लिए भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

#### वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सर्किल/टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट/प्रोजेक्ट सर्किल दूर संचार अनुरक्षण क्षेत्र का प्रधान, जो कार्यभार में उसका पूरी तरह से प्रबन्ध व प्रशासन करने के लिए जिम्मेदार होगा महाप्रबन्धक, दूर संचार आयोग, दूर संचार आयोग की नीति निर्धारित करने तथा समग्र प्रशासन करने में उच्चस्तरीय सहायता प्रदान करता है। मुख्य महाप्रबन्धक दूर संचार इंजीनियरी केन्द्र तथा महाप्रबन्धक, दूर संचार इंजीनियरी केन्द्र के अनुसंधान सम्बन्धी समग्र कार्यकलापों के लिए जिम्मेदार हैं।

#### 5. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा

(1) केन्द्रीय जल आयोग में सहायक/निवेशक सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति को वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परीक्षा की उपर्युक्त अवधि या बढ़ी हुई अवधि किसी भी स्थिति हो, समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थाई नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार सन्तुष्ट हो जाए कि वह स्थाई नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या उसको उसके जल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों में प्रशिक्षण का ऐसा कोर्स करने और तैयारी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने के लिए कर सकती है जिसे वह परीक्षा की सफल पति की एक शर्त के रूप में ठीक समझे।

(2) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बन्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत का रक्षा से सम्बन्ध पद पर कार्य करना होगा; किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(3) सहायक निवेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्त अधिकारी निर्धारित शर्तों पर करने के बाद उप निवेशक/कार्यपालक इंजीनियर अधीक्षण इंजीनियर/निवेशक (साधारण ग्रेड) निवेशक/अधीक्षण इंजीनियर (अग्र ग्रेड) प्रकाश



इंजीनियर (स्तर-11) में इ. (स्तर-11) में सदस्य/अध्यक्ष, सी. डब्ल्यू. सी. के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

(4) केन्द्रीय जल आयोग में इंजीनियरी पदों के रूप 'क' के लिए वर्तमान निम्न प्रकार हैं :—

(केन्द्रीय जल आयोग में सिविल और यांत्रिक पद) :

1. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर—रु. 2200-75-2800-द. रो. 100-400।

2. उपनिदेशक/कार्यकारी इंजीनियर—रु. 3000-100-3500-125-4500।

3. अधीक्षण इंजीनियर निदेशक (साधारण ग्रेड)—रु. 3700-125-4700-150-5000।

4. निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)—रु. 4500-150-5700।

5. मुख्य इंजीनियर—रु. 5900-200-6700।

6. सदस्य, सी. डब्ल्यू. सी./अध्यक्ष, जी. एफ. सी.—रु. 7300-100-7600।

7. अध्यक्ष, सी. डब्ल्यू. सी.—रु. 8000 (नियत)

5. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा में पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप। सहायक निदेशक (सिविल और यांत्रिक)

सिद्धाई, नौसंचालन, विद्युत घरेलू जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु, जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए आकलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने सहित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषण तथा प्रशिक्षण।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक)

उत्तम आर्किटेक्ट उपमण्डल या अन्य एककों के निर्माण कार्य के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अधीन प्रमुख तथा भण्डारों का लेखा-जोखा रखना होगा तथा परीक्षा के उपमण्डल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिए कुछ कार्यात्मक कार्यों को भी देखना होगा। विहित नियमों आदि के अन्वेषण में अपने प्रभार के अधीन भाग बहियोगे। मस्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों को सही रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।

8. केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा

1. संगठन का विवरण

विद्युत (आपत्ति) अधिनियम, 1948 की धारा (3) (1) के अन्तर्गत केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया गया है और इसका दायित्व राष्ट्रीय विद्युत आपूर्ति के नियंत्रण और उपयोग के सम्बन्ध में योजना अधिकारों के कार्यालयों के सम्बन्ध करने के लिए एक सहज, पर्याप्त और एकल विद्युत नीति का विकास करना है। गैर कौं सभी विद्युत योजनाओं (उत्पादन संरक्षण वितरण और विद्युत आपूर्ति के उपयोग) का संभाव्यता तकनीकी विश्लेषण, आर्थिक आवश्यकता आदि के सम्बन्ध में यह सनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में संवीक्षा की जाती है कि वे योजनाएं राज्यों तथा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के अनुरूप होंगी। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के

4—471 GI/89

विकास और विद्युत को इसकी मुख्य गतिदायी शक्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(2) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है।

रु. 2200-4000 के वर्तमान में सहायक निदेशक, सहायक प्राधिकारी इंजीनियर के ग्रेड में साठ प्रतिशत पद संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर ली गई सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) में सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे किन्तु वहाँ आवश्यक हो वहाँ सरकार उक्त दो वर्षों की अवधि के अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि उपर्युक्त परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि जैसी भी स्थिति हो, के समाप्त होने के बाद सरकार पत्र समझे कि कोई उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा ऐसी परीक्षा की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के दौरान किसी भी समय वह इस बात से संतुष्ट हो कि उक्त उम्मीदवार ऐसी परीक्षा अवधि या बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति के बाद स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसके स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जैसा वह उचित समझे।

परीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण मिला जाएगा तथा अनुदेश का पालन करना होगा तथा ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित की जाये।

यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा; और

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(3) उच्चतर ग्रेडों के लिए पदोन्नति

सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर नियुक्त अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा नियमावली, 1965 में निर्धारित शर्त पूरी करने के बाद उच्च ग्रेडों अर्थात् उप-निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर, निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड), निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड), उपमुख्य इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं बशर्त कि सम्बद्ध पद में रिक्तियां उपलब्ध हों।

**(4) वेतनमान**

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण में केंद्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप क) सेवा के पदों पर वेतनमान निम्नलिखित हैं :—

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण में विद्युत यांत्रिक और दूर संचार से सम्बद्ध पद

क्रम	पद का नाम	वे तनमान
६०		
1.	सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर	६० 2200-75-2800- ६० रो०-100-4000
2.	उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर	६० 3000-100-3500- 125-4000
3.	निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर	६० 3700-125-4700- 150-5000
4.	उप मुख्य इंजीनियर	६० 4500-150-5700
5.	मुख्य इंजीनियर/सदस्य-सचिव	६० 5900-200-6700

नोट—सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर ग्रेड से उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति होने पर वेतन नियतन के प्रयोजनार्थ इस सेवा के सदस्यों के लिए चतुर्थ वेतन आयोग की अनुशंसाओं पर अपनाई गई समन्वयक सारणियां लागू हैं।

**(5) कर्तव्य और दायित्व**

सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों के स्वरूप इस प्रकार हैं :—

विद्युत विकास के क्षेत्रों की विविध प्रकार की समस्याओं से संबद्ध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह, संकल्प और परस्पर संबंध। उन्हें इनसे संबद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना, संचालन, अनुरक्षण तथा विद्युत योजनाओं, परियोजनाओं की अभिकल्पनाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हुए उनकी संरचना तथा वितरण/विद्युत प्रणालियों की परियोजना रिपोर्टों का अध्ययन करना सम्मिलित है। क्षेत्र एककों में कार्य करते हुए वे उप-मंडल या उनको आर्बिट्रित अन्य कार्यों के लिए उत्तरदायी होंगे।

**7. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के पद**

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर कनिष्ठ (ग्रुप क पद) पदों पर अस्थायी आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। दो वर्ष से अधिक अतिरिक्त अवधि के लिए सेवा में उनका रखना परिवीक्षा अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्य के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विवक्षा पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है उन्हें क्रमशः रु. 2200-75-2500-द.रो.-100-4000 के समय वेतनमान में वेतन मिलेगा। संतोषजनक रूप से उनकी परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आवश्यकता है तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्ति किए गए व्यक्तियों को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित

कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) या यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों के अनुसार जो उम्मीदवाजी योग्य पाये जाते हैं उनके लिए पदोन्नति का क्षेत्र निम्नलिखित है :—

(क) बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) के लिए	६० 2200-75-2500- ६० रो०-100-4000
(1) बरमा इंजीनियर (वरिष्ठ)	६० 3000-100-3500- 125-4500
(2) निदेशक (बरमा)	६० 3700-125-4700- 150-5000
(3) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)	६० 5900-200-6700
(4) वरिष्ठ उप महानिदेशक	६० 7300-100-7600
(ख) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क	६० 2200-75-2500- ६० रो०-100-4000
(1) यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ)	६० 3000-100-3500- 125-4500
(2) निदेशक (यांत्रिक इंजीनियरी)	६० 3700-125-4700- 150-5000
(3) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)	६० 5900-200-6700
(4) वरिष्ठ उपमहानिदेशक	६० 7300-100-7600

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में भर्ती किये गये अधिकारियों को भारत में या विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

नोट 1—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले स्थायीवत हैसियत से किसी आधिकारिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर हैं, एफ. बाइ. 22-ब (1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप

यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ)

बरमा वाहनों और अन्य उपकरणों का अनुसंधान तथा मरम्मत, विविध क्षेत्र के कर्तव्यों तथा कार्यों के लिए ड्राइवर्स तथा वाहनों का आर्बिटन पी. एस. एल. अंकों तथा अभिलेखों, लागू बूक, इति वृत्तियों की संवीक्षा तथा अनुरक्षण।

**बरभा इजीनियर (कनिष्ठ)**

कोर रिक्वरी का इष्टतम प्रतिशत सुनिश्चित करत हुए एक या अधिक डिप्लोमा रिग से खनिज अन्वेषण के सबंध में छंदन कार्य करना। सरकारी भण्डारों और उसकी सीपे गये हम्प्रेड को ठीक प्रकार से भुक्ता के लिए तैयार गइए मजिनरी और वाहनों का समारक्षण। भण्डारों तथा रॉकड लॉको को रखना और अपन अधीन नियोजित कर्मचारी वर्ग का देखभाल।

**8. इजीनियर (ग्रुप क) वायरलेस, योजना और समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय (दूर संचार विभाग) .**

(क) वेतनमान रु. 2200-75-2800-द रां.-100-4000 ।

(ख) ग्रुड में पाँच वर्ष की सेवा करने के बाद इजीनियर के पदधारी सहायक वायरलेस सलाहकार, वायरलेस योजना और समन्वय स्कन्ध। इजीनियर प्रभारा अनुश्रवण संगठन (वेतनमान रु. 3000-100-3500-125-4500 तथा सहायक वायरलेस सलाहकार की पद के लिए रु. 100 प्रतिमास विशेष वेतन) के ग्रुड में रिक्तियों के रु. 100 प्रतिमास पदोन्नति के पात्र हों। सहायक वायरलेस सलाहकार/इजीनियर प्रभारा के ग्रुड में उनकी पदोन्नति ग्रुप के पदों के लिए संगठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति को अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की जाएगी।

सहायक वायरलेस सलाहकार/इजीनियर प्रभारी के ग्रुड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक वायरलेस सलाहकार और इजीनियर प्रभारा उप वायरलेस सलाहकार (वेतनमान रु. 3700-125-4700-150-5000) के पद पर पदोन्नति के लिए विचारित किए जाते हैं। उन वायरलेस सलाहकार के ग्रुड में रिक्तियों ग्रुप के पदों के लिए गौठन की गई विभागीय पदोन्नति समिति का अनुशंसा पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती है।

अगले उप प्र. में पदोन्नति हेतु तथा पूरायत अपक्षाएँ न्यूनतम पदोन्नति की हैं और सम्बन्ध ग्रुड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

(ग) इजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) यदि आवश्यकता हुई तो इजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा में सम्बन्ध किसी प्रशिक्षण पर बिनाई गई अवधि (यदि कोई हो) माहृत कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बन्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति का—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

**(ङ) पदों से सम्बन्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—**

(1) डब्ल्यू. पी. सी. स्कन्ध/वायरलेस मानीटरन संगठन के विभिन्न एककों के कर्मचारियों का पर्यवेक्षण, निर्देशन तथा प्रशिक्षण।

(2) सरपूष ग्रेडिंग आवृत्ति वर्णक्रम तथा विभिन्न प्रकार के उत्सजन की आवृत्ति करने वाली रेडियो वाद्युत्त मानीटरन में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विभिन्न वर्गों, एंटीना तथा सहायक उपकरणों का प्रतिष्ठापन, अंशशोधन, परीक्षण तथा अनुश्रवण।

(3) भिन्न-भिन्न प्रकार की रेडियो संचार सेवाओं के लिए विभिन्न प्रयोक्ता विभागों/संगठनों के वायरलेस प्रतिष्ठानों का अनुशासन एवं निरीक्षण।

(4) रेडियो आवृत्ति वर्णक्रम तथा तुल्यकाली उपग्रह कक्षा के उपयोग के राष्ट्रीय तथा अन्तराष्ट्रीय समन्वय से सम्बन्ध सभी पहलू जिसमें नियतन योजना का निमाण, संगत तकनीकी मानकों की स्थापना, उपस्कर का प्रकार—अनुमानन बंधूत चुम्बकीय व्यवधान/सुसंगति आदि का अध्ययन सम्मिलित हो।

(5) संगत राष्ट्रीय नियमों तथा विनियमों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन सहित अन्तराष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रवर्तन।

(6) प्रवीणता/रेडियो अव्यवसायी प्रमाणपत्र आदि के लिए परीक्षाओं का आयोजन करना तथा उनके लिए तैयारी जारी करना।

(7) रेडियो आवृत्ति प्रवर्तन तथा मानीटरन से सम्बन्ध अनुसंधान तथा विकास कार्य करना।

(8) अन्तराष्ट्रीय दूर संचार संध दूर संचार से सम्बन्धित अन्य यथाचित अन्तराष्ट्रीय/क्षेत्रीय संगठनों का बैठक तथा सम्मेलनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रवर्तन करना।

**9. कन्स्ट्री इजीनियरों सेवा (सड़क) (ग्रुप 'क')**

(क) चुन हूँ उम्मादेवार न्हावक कार्यकारी इजीनियर के पद पर दो वर्ष के लिए परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। परीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियाँ उपलब्ध हुईं और वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इजीनियर के पद पर स्थायी किया जाएगा। सरकार दो वर्ष की परीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

परीक्षा अवधि या उसकी बढाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इजीनियर स्थायी नियोजन के योग्य नहीं है या ऐसी परीक्षा की बढाई गई अवधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इजीनियर ऐसी अवधियों या बढाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इजीनियर को सेवा निवृत्त कर सकता है अथवा उसे आदेश पास कर सकते हैं जो वह ठीक समझे।

अधिकारियों को स्थायीकरण से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(क) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति का भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति का—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) निम्नलिखित वतनमान दिये हैं :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—

रु. 2200-75-2800-ब. रों.-100-4000/-

कार्यकारी इंजीनियर—

रु. 3000-100-3500-125-4500/-

अधीक्षक इंजीनियर—

रु. 3700-125-4700-150-5000/-

अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड) —

रु. 4500-150-5700/-

मुख्य इंजीनियर (सड़क पुल/यांत्रिक) —

रु. 5900-200-6700/-

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क/पुल) —

रु. 7300-100-7600/-

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क विकास)

रु. 7300-200-7500-250-8000/-

टिप्पणी :—उन सरकारी कर्मचारियों का वतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क/ग्रुप ख में परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आयुधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पर हैं एफ. आर. 22-ख (1) के उपबंधों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) पुल ग्रुप क के पद से संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सड़क/पुल कार्यों की अभिकल्पना और आकलन तैयार करने की योजना में और राज्यों से ऐसे कार्यों के लिये प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करने में जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय के सड़क स्वच्छ के मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करने और/या केन्द्रीय मशीनरी के प्रापण तथा अनुरक्षण में।

#### 10. भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(क) उक्त सेवा के कनिष्ठ वतनमान में सीधे भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा नियुक्ति पर प्रत्येक अधिकारी दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेगा।

(1) किन्तु शर्त यह है कि नियंत्रण प्राधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार घटा या बढ़ा सकता है।

(2) अगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाई हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के

समापन के बाद आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी का ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में सम्प्रोषित कर दिया जाएगा।

(3) परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समापन पर अधिकारी को स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त पाए जाने की स्थिति में अपनी नियुक्ति पर नियमित आधार पर बनाए रखा जाएगा और उसकी यथावधि उपलब्ध मूल रिक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा।

(4) यदि परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि जैसी भी स्थिति हो के दौरान सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी सरकार में स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसी पद पर वापस भेज सकती है जो वह उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था, जैसी भी स्थिति हो, या और कोई उपयुक्त आदेश पारित कर सकती है।

(5) परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को परिवीक्षा के सफल समापन की शर्त के रूप में सरकार द्वारा यथापेक्षित प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण कोर्स पूरे करने होंगे और परीक्षा तथा परीक्षण (हिन्दी परीक्षा सहित) उत्तीर्ण करने होंगे।

(ख) सेवा में नियुक्ति :—उक्त सेवा के विभिन्न ग्रेडों के सभी पदों पर सभी नियुक्तियाँ—चाहे वे “आकाशवाणी” में या “दूरदर्शन” में हों—नियंत्रण प्राधिकारी द्वारा की जाएगी।

(ग) भारत के किसी भाग में सेवा का प्राथमिक सेवा की अन्य शर्तें :—

(1) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारियों को भारत के किसी भाग में या बाहर सेवा करनी पड़ सकती है।

(2) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारियों को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी रक्षा सेवा या पद पर कम से कम 4 वर्ष तक कार्य करना पड़ सकता है जिसमें प्रशिक्षण की अवधि सम्मिलित है किन्तु ऐसे अधिकारियों को :—

(1) अपनी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के प्रारम्भिक गठन से पहले कार्य ग्रहण की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(घ) उक्त सेवा के सदस्यों की सेवा शर्तों में उन मामलों पर केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों पर लागू होंगे जिनके संबंध में इन नियमों में कोई व्यवस्था नहीं है।

ग्राह्य वेतनमान निम्न प्रकार है :—

- |                            |  |
|----------------------------|--|
| (1) कनिष्ठ वेतनमान         | रु० 2200-75-2800-<br>रु० रोजी-100-4000 |
| (2) वरिष्ठ वेतनमान         | रु० 3000-100-3500-<br>125-4500         |
| (3) जे० ए० जी०             | रु० 3700-125-4700-<br>150-5000         |
| (4) जे० ए० जी० (चयन ग्रेड) | रु० 4500-150-5700                      |
| (5) एस० ए० जी०             | रु० 5900-200-6700                      |
| (6) इंजीनियर-इन-चीफ        | रु० 7300-100-7600                      |

भारतीय प्रसारण (इंजीनियर)

सेवा भूप के कनिष्ठ

वेतनमान के पथ से सम्बद्ध कार्य

तथा उत्तरदायित्व के प्रकार :

ब्राडकास्ट, टी० वी० स्टूडियो

और ट्रांसमीटरों का अभिकल्पन,

संस्थापन प्रचालन और अनुरक्षण।

सहायक इंजीनियरों के कार्य

पर्यवेक्षण का उत्तरदायित्व।

11. सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल तथा विद्युत)  
सिविल—निर्माण, स्क्वैड, आकाशवाणी, सूचना और  
प्रसारण मंत्रालय

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा के  
आधार पर होगी।

(ख) (1) पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी को  
भारत में कहीं भी कार्य करना होगा और किसी  
भी समय उसका लोक निगम को अधीन स्थाना-  
न्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण  
पर, वह निगम के कर्मचारियों के लिए निर्धारित  
कोई सेवा की शर्तों से शासित होगा।

(2) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक स्टेशन इंजी-  
नियर या सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त  
किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध  
निम्न प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (याई  
कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि  
के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा  
से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा; किन्तु उस  
व्यक्ति को—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की  
समाप्ति पर पूर्ववर्ति रूप में कार्य नहीं करना  
होगा; और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के  
बाद पूर्ववर्ति रूप में कार्य नहीं करना  
होगा।

(ग) सरकार बिना कोई नोटिस दिए निम्नलिखित परि-  
स्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर  
सकती है जो :—

(1) परीक्षा की अवधि के अन्तर्गत या उसके  
समाप्त होने पर, (2) अधीनता असंयम,  
कटाक्ष या उस समय सेवा से सम्बद्ध प्रयुक्त  
नियमावली के उपबन्धों में किसी को भंग करने

या अनुपालन करने के लिए, (3) यदि वह  
बाकरी रूप से अयोग्य पाया जाता है और अपने  
कर्तव्यों के निर्वहन में अस्वस्थता के कारण बहुत  
अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है।

अस्थायी नियुक्तियों के मामलों में किसी पक्ष की ओर से  
कोई कारण बताए बिना एक महीने का नोटिस देकर किसी  
भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है।

(घ) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) रु.  
2000-60-2300-रु. रोजी-75-3200-100-  
3500।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर :

(1) सम्बद्ध ग्रेड में कम से कम 8 वर्ष की निर्धारित  
सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर (सिविल  
तथा विद्युत) रु. 3000-100-3500-125-  
4500 के वेतनमान में कार्यकारी इंजीनियर के  
ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(2) ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले  
कार्यकारी इंजीनियर रु. 3700-125-4700-  
150-5000 के वेतनमान में अधीक्षण इंजी-  
नियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(3) उम्मीदवारों के कार्यकाल के दौरान उनकी  
विभागीय पदों पर पदोन्नति तत्कालीन भर्ती  
नियमों के अनुसार की जायेगी।

नोट :—सेवा की शर्तों जैसे स्थानान्तरण/दौरों पर अवकाश,  
यात्रा भत्ता, कार्यारम्भ समय/कार्यारम्भ समय वेतन,  
चिकित्सा सुविधाएं, यात्रा खर्चा, पेंशन और  
मानसिक नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण  
आदि, वही होंगी जो समान हैसियत के अन्य केंद्रीय  
कर्मचारियों के लिए लागू हों।

(च) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) के पद  
से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—  
अभिकल्पन और आरेखन में कार्य के लिए निर्धारित  
किए गए मानदण्ड और स्तर के अनुसार कार्यों का  
निष्पादन करना।

12. डाक टार सिविल इंजीनियरी स्क्वैड में सहायक कार्य-  
कारी इंजीनियर

(क) उम्मीदवारों की नियुक्तियां परीक्षा आधार पर की  
जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी। उन्हें यथानिर्धारित प्रशि-  
क्षण लेना होगा। यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन  
अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसमें यह  
आभास हो कि उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना नहीं है, तो  
सरकार उसे तत्काल सेवानिवृत्त कर सकती है। परीक्षा की  
अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हुईं तो  
सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि  
सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा  
हो तो सरकार उसे या तो सेवानिवृत्त कर सकती है या उसकी  
परीक्षा अवधि को जितना उचित समझे और बढ़ा सकती है।

अधिकारियों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण  
करनी होंगी जो परीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित की जाएं।  
उन्हें हिन्दी में एक परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ब) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई हो, भी सम्मिलित है।

परन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त।

(ग) प्राप्य वेतन दर निम्न प्रकार है : ग्रुप "ख" सहायक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) रु. 2000-60-2300-ब. रा. - 75-3200-100-3500 ;

ग्रुप "क"

(1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)/(वैद्युत) रु. 2200-75-2800-ब. रा. - 100-4000।

(2) कार्यपालक इंजीनियर का निर्माण सर्वेक्षक (सिविल)/(वैद्युत) रु. 3000-100-3500-125-4500।

(3) अधीक्षक इंजीनियर/अधीक्षण निर्माण सर्वेक्षक (सिविल)/(वैद्युत) रु. 3700-125-4700-150-5000।

(4) मुख्य इंजीनियर (सिविल) रु. 5100-150-5700।

(5) मुख्य इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) रु. 5900-200-6700।

(घ) डाक तार सिविल स्कन्ध में उक्त पदों से जा कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध है वे नीचे दिए गए हैं :—

इंजीनियर सेवा परीक्षा के माध्यम से डाक तार सिविल स्कन्ध में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाकतार विभाग के विभिन्न सिविल निर्माणों के जिनमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, दूरभाष केंद्र भवन, डाकघर भवन, कारखाने, भण्डार तथा प्रशिक्षण केंद्र आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और अन्तःरक्षण पर लगाया जाता है। उम्मीदवार विभाग में अपनी सेवा सहायक कार्यकारी इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते हुए विभाग के विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति पा जाते हैं।

13. तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद :—

(क) तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

(ख) इस ग्रुप 'क' राजपत्रित पद का वेतनमान रु. 2200-75-2800-ब. रा. - 100-4000 है।

(ग) तकनीकी विकास महानिदेशालय में ऐसे सहायक विकास अधिकारी 3000-100-3500-125-4500 रु. के वेतनमान में विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं जिन्होंने उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा कर ली है। विकास अधिकारी के संवर्ग में 90 प्रतिशत पद पदोन्नति द्वारा भरे जाते

हैं। विकास अधिकारी रु. 4100-125-4850-150-5300 के वेतनमान में अपर औद्योगिक सलाहकार के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं। अपर औद्योगिक सलाहकार रु. 4500-150-5700 के वेतनमान में औद्योगिक सलाहकार के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। औद्योगिक सलाहकार रु. 5900-200-7300 के वेतनमान में उपमहानिदेशक के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। उपमहानिदेशक सचिव (तकनीकी विकास) और महानिदेशक (तकनीकी विकास) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

(घ) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति को आवश्यक होने पर किसी भी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित, यदि कोई है, कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) ऐसी नियुक्ति के दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(2) चालीस वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद सामान्यतया या पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) सहायक विकास अधिकारी के पद से सम्बद्ध कार्यों और उत्तरदायित्वों का स्वरूप उससे सम्बद्ध प्रभागों अर्थात् यांत्रिक इंजीनियरी, औद्योगिक मशीनरी मशीन औजार, वैद्युत इंजीनियरी, वाटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरी आदि उद्योगों के विकास में विकास अधिकारी की सहायता करनी है।

14. ई. एम. ई. कोर, रक्षा मंत्रालय में कर्मशाला अधिकारी का पद।

(क) ई. एम. ई. कोर में कर्मशाला अधिकारी के पद पर भर्ती व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे।

(ख) उक्त पद पर नियुक्त उम्मीदवारों को भारत में कहीं भी काम करना होगा।

(ग) ग्राह्य वेतनमान निम्न प्रकार है :—

(1) कार्यशाला अधिकारी ग्रुप 'ख'	रु. 2000-60-2300-ब. रा. - 75-3200-100-3500
(2) कर्मशाला अधिकारी ग्रुप 'क'	रु. 2200-75-2800-ब. रा. - 100-4000
(3) वरिष्ठ कर्मशाला अधिकारी	रु. 3000-100-3500-125-4500
(4) कर्मशाला अधीक्षक	रु. 3700-125-4700-150-5000
(5) कर्मशाला अधीक्षक (चयन ग्रेड)	रु. 4100-125-4850-150-5300।

(घ) कर्तव्य :—'ए', 'बी' और 'सी' वाहनों, तोप, वायरलेस तथा रेडार उपकरण व उपकरणों का मरम्मत कार्य करने वाले अनुभाग के प्रभारों के रूप में कार्य करना। ई. एम. ई. आमी बेंस वर्कशॉप/स्टेशन वर्कशॉप में अधिकारी के रूप में कार्य करना और/

या स्टाफ/ई. एम. ई. (एक्स्ट्रा रजिमेंट इम्प्लाय-मेंट) रोजगार नियुक्तियों में कैप्टन (ई.एम.ई.) के स्थान पर कार्य करना या ई. एम. ई. प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशासकीय कर्तव्यों के साथ-साथ अनु-देशक के रूप में कार्य करना होगा।

(इ) प्रारम्भ में उक्त पद गैर-पेशगी है लेकिन स्थायी होने पर पद पेशगी हो जाएंगे। किन्तु यदि सरकार के अधीन स्थायी पद पर कार्यरत व्यक्ति इस पद पर नियुक्त किया जाता है तो उसे पेशगी के साठे लाभ मिलते रहेंगे।

(ए) उक्त पद के लिए चुने हुए उम्मीदवार फील्ड में सेवा के दायित्व से प्रतिबद्ध हों, उनका स्वस्थता-स्तर वर्ग 1 (एक) होना चाहिए।

(ग) अधिकारियों को आगे के अध्ययन जैसे एम. टेकन, विभिन्न विषयों के विशेष अध्ययन जैसे इंडर, दूर संचार, टैंकों तथा बंदूकों आदि तथा विदेशों में विभिन्न कोर्सों का अध्ययन करने का अवसर मिलता है।

#### 15. भारतीय आपूर्ति सेवा/भारतीय निरीक्षण सेवा

(क) चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर अधिकारियों को स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाने पर स्थायी पदों के उपलब्ध होते ही स्थायी कर दिया जायेगा। सरकार इस दो वर्ष की परीक्षा अवधि को बढ़ा भी सकती है।

यदि परीक्षा की उक्त अवधि या उसकी बढ़ी हुई अवधि के समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है तथा परीक्षा की अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो वह उस अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जो वह उचित समझे। अधिकारियों को स्थायी होने से पहले हिन्दी में एक विहित परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होगी।

(ख) इन प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित यदि कोई हो, कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए या किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा;

किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) ग्राह्य बतनमान निम्नलिखित हैं :—

कनिष्ठ बतनमान

सहायक निदेशक (ग्रेड-1)

बतन रु. 2200-75-2800-द. र. -100-4000

वरिष्ठ बतनमान

उपनिदेशक

बतन रु. 3000-100-3500-125-4500।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य)

निदेशक

बतन रु. 3700-125-4700-150-5000।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड जूनियर ग्रेड (नॉनफक्शनल)

उप महानिदेशक

बतन रु. 4500-150-5700।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

अपर महानिदेशक

बतन रु. 5900-200-6700।

टिप्पणी (क) जिस सरकारी कर्मचारी ने इस परिधीनाधीन नियुक्ति से पहले आवधिक पद से अन्यथा किसी स्थायी पद पर स्थायी होसियत से काम किया है उसका बतन एफ. आर. 22वीं (1) के अनुसार नित्य-मित किया जाएगा।

(ख) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' से सम्बद्ध कार्य तथा जिम्मेदारियों का स्वरूप।

#### भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क'

भारतीय आपूर्ति सेवा के अधिकारियों का मुख्य कार्यभार भारत सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि की ओर से भण्डार सामग्री खरीदना तथा बची हुई सामग्री का निपटान करना है। भारतीय आपूर्ति सेवा अधिकारियों से आशा की जाती है कि उनके पास आपूर्ति एवं निवलन महा नि. और विदेश स्थित राजदूतावासों/उच्चायोगों के आपूर्ति स्कन्धों को भेजे गये विभिन्न प्रकार के मांग पत्रों से निपटान के लिए अपेक्षित तकनीकी पृष्ठ-भूमि हो।

#### भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क'

इंजीनियरी वस्तुओं तथा सामग्रियों और समकालीन भण्डारों का निरीक्षण तथा परीक्षण, कनिष्ठ अधिकारियों के काम का पर्य-वेक्षण करना तथा यह देखना कि उन्हें उनके कार्य तथा कर्तव्यों से सम्बन्ध में पर्याप्त निदेश मिल गये हैं; महत्वपूर्ण कार्य की ओर व्यक्तिगत ध्यान देना, तकनीकी रिपोर्ट, विनिर्दिष्टियों तथा आवश्यक सचियां बनाना और इंजीनियरी भण्डारों के मांगपत्र के तकनीकी विवरणों की जांच करना, विभाग की अन्य शाखाओं के अधिकारियों, मांग पत्र भेजने वालों तथा निर्माताओं को इंजीनियरों मामलों में तकनीकी सलाह तथा सहायता देना।

#### 16. सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(1) चना हुआ उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाधीन व्यक्ति को परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निहित विभागीय परीक्षणों को उत्तीर्ण करना होगा। परीक्षा की अवधि के दौरान या इसकी

समाप्ति पर किसी समय यदि सरकार की राय में उसका कार्य और आखरण असन्तोषजनक रहा है, तो हो सकता है कि सरकार या तो उसे कार्य-भूक्त कर दे या उसको परिवीक्षा अवधि यथा अपेक्षित समय के लिए बढ़ा दे।

- (2) चुने गए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें युद्ध तथा शान्ति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

- (3) उन्हें निम्नलिखित वेतनमान बने हैं :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—रु. 2200-75-2800-ब. रोज. 100-4000

कार्यकारी इंजीनियर—रु. 3000-100-3500 125-4500 11

अधीक्षक इंजीनियर—रु. 3700-125-4700-150-5000 1

मुख्य इंजीनियर—रु. 5900-200-6700

- (4) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षक इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियर के अधिकारियों के लिए लागू) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की प्रतीक्षा कर सकते हैं।

अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

यांत्रिक इंजीनियरी में इस समय मुख्य इंजीनियर का कोई पद नहीं है।

- (5) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारों को कुछ विनिर्दिष्ट इलाकों में तैनात होने पर केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों की यथाग्रह्य अन्य सामान्य भत्तों जैसे भूदान किराया भत्ता तथा नागरिक प्रतिपूरक भत्ता आदि के अलावा विहित वर पर विशेष प्रतिपूरक भत्ता और मुफ्त राशन के हकदार हैं। वे सभी के वास्तु परिसर भत्तों के भी हकदार हैं।

- (6) सीमा सड़क इंजीनियरों सेवा ग्रुप 'क' के पदों पर नियुक्त अधिकारियों पर अनुशासन के मामले में थल सेना अधिनियम, 1950 लागू होगा।

- (7) सशस्त्र सेना अधिनियम के भाग 12 के उपबन्धों के सीमा सड़क इंजीनियरों सेवा ग्रुप 'क' पर लागू हो जाने के कारण मिलाएँ इस सेवा में नियुक्ति हेतु पात्र नहीं होंगी।

#### 17. ठाक-तार दूर संचार कारखाना संगठन में सहायक प्रबन्धक कारखाना

##### ग्रुप 'क' के पद

- (1) वेतनमान रु. 2200-4000 में सहायक प्रबन्धक (कारखाना) के पदों पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

(2) परिवीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवारों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार ऐसा व्यावहारिक प्रशिक्षण, जो समय-समय पर केंद्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए, प्राप्त करना होगा; व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी पठोक्षण उत्तीर्ण करना होगा।

(3) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक प्रबन्धक (कारखाना) के पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति को भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बितायी गयी अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

- (4) उच्चतर क्षेत्रों में पदोन्नति के अवसर :—

(क) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की नियमित सेवा कर चुकने वाले सहायक प्रबन्धक रु. 3000-4500 के वेतनमान में वरिष्ठ इंजीनियर (वरिष्ठ समय वेतनमान) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(ख) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की सेवा कर चुकने वाले वरिष्ठ इंजीनियर रु. 3700-5000 के वेतनमान में कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक (कारखाना) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(ग) अपने ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक दूर संचार कारखाना में 4500-5700/-रु. के वेतनमान में उप महाप्रबन्धक प्रबन्धक (चयन ग्रेड) के अकार्यात्मक (नान फंक्शनल) चयन ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(घ) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) में 8 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक अथवा ग्रुप 'क' पद में, जिसमें कम से कम 4 वर्ष की सेवा कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में होनी चाहिए, 17 वर्ष की नियमित सेवा वाले (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) 5900-6700 रु. (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) के वेतनमान में महाप्रबन्धक, दूर संचार कारखाना के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

- (5) उक्त पदों से सम्बद्ध कार्य और उत्तरदायित्वों का स्वरूप

सहायक प्रबन्धक :—वो अथवा उससे अधिक उत्पादीन उत्पादीन एकको का समय पर्यवेक्षण/वर्तमान कारखानों में विभिन्न व्यवसायों/संगठनों के लिए नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारों के रूप में कार्य करना।

वरिष्ठ इंजीनियर :—उत्पादन, आयोग, विकास, अनुरक्षण, और आदि में सम्बद्ध शाला के प्रबन्धन प्रधान और दूर-संचार कारखानों में विभिन्न व्यवसायों/संगठनों में नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारों के रूप में कार्य करना।



उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक :—सामान्य प्रशासन, उत्पादन अनुशासन आयोग आदि में सम्बन्धित दैनिक कार्यों में महाप्रबन्धक या सहायक करमा, कारखाना या उत्पादन एकक/स्कन्ध कार्य प्रभारी।

महाप्रबन्धक :—दूर संचार कारखाना के प्रधान कारखाना के सामान्य प्रशासन, उत्पादन, आयोग अनुशासन आदि के समय नियन्त्रण हेतु उत्तरदायी।

### 18. भारतीय सर्वेक्षण ग्रुप "क" सेवा

नियुक्तियों की वय की अवधि के लिए परीक्षा आधार पर होगी।

किन्तु शर्त यह है कि इस संबंध में नियंत्रण प्राधिकारी परीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार बढ़ा सकता है।

जगली शर्त यह है कि परीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई नियंत्रण परीक्षा की पहली अवधि के समापन के बाद सामान्यतः छाठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और संबंधित अधिकारी को इसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि को अंदर लिखित रूप में सूचित कर दिया जाएगा।

परीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समापन पर, जैसी भी स्थिति हो, यदि सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी अभी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो इसके कारण लिखित रूप में टिप्पणी किए जाएं और सरकार उस अधिकारी को कार्य-मुक्त कर सकती है या उस पद पर वापस भेज सकती है जिसे वह उक्त सेवा में, जैसी भी स्थिति हो, नियुक्ति से पहले धारणा कर रहा था परीक्षा या वृद्धि हेतु परीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण कोर्स पास करना होगा और अनुदेशों का पालन करना तथा परीक्षाएं और परीक्षण पास (इसमें हिन्दी की परीक्षा भी शामिल है) करने होंगे जो सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि को संतोषजनक ढंग से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित किए जाएंगे।

2. नियुक्त किए गए अधिकारियों को भारत और विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

3. नियुक्त किए गए अधिकारियों को सरकार द्वारा समय-समय पर लिए गए निर्णयों के अनुसार भारत और विदेश में ऐसे प्रशिक्षण और अनुदेशों के विस्तृत पाठ्यक्रमों में जाना पड़ सकता है।

4. यदि आवश्यकता हुई तो प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा में सम्बन्धित किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बन्धित पदों पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा;

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

5. ग्राह्य वेतन की दरें निम्न प्रकार हों :—

कनिष्ठ वेतनमान	2200-75-2800 रु. में— 100-4000 रु.।
वरिष्ठ वेतनमान	3000-100-3500-125- 4500 रुपए।
कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	3700-125-4700-150- 5000 रु.।
वयन ग्रेड (कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड)	4500-150-5700 रु. में।
वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	5900-200-6700 रुपए।

6. भारतीय सर्वेक्षण में उप अधीनस्थ सर्वेक्षण के पद में गवर्द्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप :—

अधिकारी को सीमा क्षेत्रों के नक्शों का सर्वे करने का कार्य पूरा करना होगा और इन्हें प्रति वर्ष अद्यतन बनाना होगा जिसमें कि विभिन्न प्रयोक्ता एजेंसियों को ये नक्शे नवीनतम उपलब्ध जानकारी के आधार पर प्रदान किए जा सकें।

## (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

## (DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 19th January 1990

## RESOLUTION

No. CP/9(1)/89.—In continuation of Resolution No. CP/(7)/86-D.P. dated 6-6-1989 Government of India have decided to enlarge the composition of Development Panel for Carbon and Graphite Products Industries with the following additional members :—

*Members*

18. Shri W. M. Desouza,  
President,  
Goa Carbon Limited,  
Dempo House, Campel,  
Panjim-Goa 403 001.
19. Shri N. Venkataramani,  
Vice-President (Commercial),  
Carbon Corporation Limited,  
Bakhtawar, 2nd Floor,  
Nariman Point, Bombay-400 021.
20. Shri P. K. Jana,  
Executive Director,  
Chemical & Allied Products  
Export Promotion Council,  
World Trade Centre,  
14/1B, Ezra Street,  
Calcutta-700 001,
21. Shri C. K. Dhar,  
Chief (Marketing),  
Steel Authority of India Ltd.,  
2, Fairlie Place,  
Calcutta-700 001.
22. Dr. D. M. Bhatt,  
Scientist 'E',  
Central Fuel Research Institute,  
P.O. F.R.I. 828 108,  
Dhanbad-Bihar.

Except for panel indicated above, the rest of the Composition of the Resolution dated 6-6-1989 remains the same.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

MADAN MOHAN, Director (Admn.)

## TERMS OF REFERENCE

The terms of reference of the Panel may be as under :—

1. To consider the present state of development of the industry and to recommend measures for its accelerated growth.
2. To study the state-wise/region-wise requirement of various items of the industry and make suggestions for creation of further capacities to meet the growing needs.

3. Forecasting of future technological needs including up-gradation of technology and quality of products.
4. To augment research and development facilities in the field available in various institutions.
5. To examine the extent to which standardisation has been achieved and evolve specific programmes for further standardisation in consultation with the ISI.
6. To consider the requirements of raw materials and energy inputs including their conservation/substitution.
7. To consider the requirement of machinery etc. both indigenous and imported.
8. Modernisation of existing units.
9. Import substitution/export promotion.
10. Technical manpower requirements and their training.
11. To review the pollution measures adopted in the industry at work places and environment.
12. Any other relevant matter.

## MINISTRY OF ENERGY

## (DEPARTMENT OF COAL)

New Delhi, the 22nd January 1990

## RESOLUTION

No. E-11011/7/84-Hindi.—A Prize scheme to award the authors for writing the original books in Hindi on subjects falling within the purview of function of the Department of Coal was notified vide Government of India, Ministry of Energy, Department of Coal Resolution No. E-11011/7/84-Hindi dated 30th May, 1986. The name of the scheme is "Koyala Hindi Granth Puraskar Yojana". Under the scheme Ist and IInd prizes were to be awarded to the authors of Rs. 10,000/- and Rs. 5,000/- respectively. Now it has been decided that the prizes under the scheme be increased and the authors may be awarded the Ist prize, IInd prize and IIIrd prize of Rs. 10,000/- Rs. 8,000/- and Rs. 5,000/- respectively.

The other terms and condition of the scheme will remain the same as before.

## ORDER

ORDERED that the copies of this Resolution be sent to all State Governments/Union Territory Governments, all the Ministries/Departments of the Government of India, all the Universities of India and News Agencies.

ORDERED also that this Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SMT. SHALINI SHARMA, Director

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 22nd January 1990

## CORRIGENDUM

No. G-27019/1/89-Admn.—In the Ministry of Information and Broadcasting Notification of even number dated 15-12-89, the words "consumed by" in the 3rd line may be substituted by the word "for", the words "after June, 1989" in the 5th line of the Notification may be deleted and the words "in May/June, 1989" after the word "effected" in the 6th line of the Notification may be inserted.

H. S. SHARMA, Under Secy.

## MINISTRY OF RAILWAYS

## (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 24th February 1990

No. 89-E(GR)1/18/2.—The Rules for a combined competitive Engineering Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 1990 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information :—

## CATEGORY I—CIVIL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts);
- (iii) Central Engineering Service
- (iv) Survey of India Service Group-A.
- (v) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts).
- (vi) Assistant Executive Engineer (Civil), (P&T) (Civil Engineering Wing).
- (vii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.
- (viii) Central Engineering Service (Roads) Group-A.
- (ix) Assistant Executive Engineer (Civil) in Border Roads Engineering Service Group-A.
- (x) Indian Inspection Service Group-A (Civil Engg. Posts).

*Group B Services/Posts*

- (xi) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing, All India Radio.

## CATEGORY II—MECHANICAL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);
- (vi) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (vii) Posts of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts);
- (viii) Assistant Executive Engineer (Elect. & Mech.) Mechanical Engineering Posts, Border Roads Engineering Service, Group A;

- (ix) Indian Inspection Service Group A, (Mechanical Engg. Posts);

- (x) Drilling Engg. (Jr.) in G.S.I.

- (xi) Mechanical Engineer (Junior) Group A in GSI.

- (xii) Assistant Manager (Factories) Department of Telecom (Telecom Factories Organisation).

- (xiii) Workshop Officer-Group 'A' (Mechanical Engg. Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.

- (xiv) Indian Supply Service Group 'A' (Mechanical Engg. Posts).

## CATEGORY III—ELECTRICAL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts);
- (v) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (vi) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P and T Civil Engineering Wing);
- (vii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post);
- (viii) Indian Inspection Service Group 'A' (Electrical Engineering Posts);
- (ix) Indian Supply Service, Group 'A' (Electrical Engineering Posts).

*Group B Services/Posts*

- (x) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio.

## CATEGORY IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts);
- (iii) Indian Telecommunication Service;
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communications; (Department of Tele-Communications);
- (v) Indian Broadcasting (Engineers) Service;

- (vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);
- (vii) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);
- (viii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development; (Electronics and Telecommunication Engineering Post);
- (ix) Indian Supply Service, Group 'A' (Electronics Engg. Posts).
- (x) Indian Inspection Service Group 'A' (Electronics & Telecom, Engineering Posts).
- (xi) Workshop Officer, Group 'A' Electronics Engineering Posts in the Corps of EME, Ministry of Defence.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/Posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the Services/Posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

N.B. (i)—Candidates are advised to indicate all the Services/Posts for which they are eligible in terms of the Rules, in the order of preferences in their application form. In case a candidate does not give any preference for any Services/Posts or does not include certain Services/Posts in his application form it will be assumed that he has no specific preference for those Services/Posts, and in that even he shall be allocated to any of the remaining Services/Posts in which there are vacancies after allocation of candidates according to the Services/Posts of their preferences. In making such allocation the candidate shall be considered first for Group 'A' Services/Posts and then for Group 'B' Services/posts.

N.B. (ii)—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ. CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING (C-PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD) WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

N.B. (iii)—Candidates should give their preferences only for the Services and Posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and Posts for which they are not eligible and for Services and Posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored.

N.B. (iv)—DEPARTMENTAL CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION UNDER AGE-RELAXATION [VIDE RULE 5(b)] MAY GIVE THEIR PREFERENCES FOR THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ALSO. THEY WILL, HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS, THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM

N.B. (v)—Preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preference for other Services and Posts, if any, will be ignored

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility Certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 28 years on the 1st August 1990 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August 1962 and not later than the 1st August, 1970

(b) Subject to conditions mentioned in N.B. (iii) below Rule 2, the upper age-limit of 28 years will be relaxable up to 33 years in the case of the Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column 1 below and apply for admission to the examination for all or any of the Service(s)/Post(s) mentioned in Column 2, for which they are otherwise eligible

(i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.

(ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1990.

Column 1	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.E. I.R.S.M.E. I.R.S.S.
Central Public Works Department	C.E.S.—Group A C.E. & M.E.S. Group A
Directorate General Ordnance Factories	I.O.F.S. Group A
Central Water Commission	C.W.E Service (Group A).
Central Electricity Authority	C.P.E. (Group A) Service.
Wireless Planning and Co-ordination	Engineer (Group A)
Wing/Monitoring Organisation	
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service.
All India Radio/Doordarshan	Junior scale Indian Broadcasting (Engineers) Service. Assistant Engineer Group B (Civil/Electrical) Civil/Construction Wing A.I.R.
P. & T. Department	Indian Telecommunication Service Group A. Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Group A, P & T Civil Wing. Assistant Manager (Factories) Group—A. P. & T. Telecom Factories Organisation
Deptt. of Science & Technology.	Survey of India Service, Group-A.

Column 1	Column 2
Directorate General of Technical Development	Assistant Development Officer (Engineering) Group 'A'.
Directorate General of Supplies and Disposals	I.I.S. Group A I.S.S. Group 'A'
Geological Survey of India	Mechanical Engineers (Junior) Group A. Drilling Engineer (Junior), Group 'A'.

NOTE.—The period of apprenticeship if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable :

- (i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) Up to a maximum of three years, if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (iii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (iv) Up to a maximum of three years, if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (v) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (vi) Up to a maximum of three years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (vii) Up to a maximum of eight years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribe.
- (viii) Up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1990 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August 1990 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to military Service or (iii) on invalidment.
- (ix) Up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers, and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1990 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August, 1990 otherwise than by way of dismissal or discharge

on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.

(x) Up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1990 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

(xi) Up to a maximum of ten years in the case of candidates belonging to scheduled castes or scheduled Tribes who are also ECOs/SSCOs and have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1990 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

(xii) Up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

(xiii) Up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

**NOTE (i)** The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

(ii) Ex-Servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 5(c) (viii) & 5(c) (ix) of the Rules.

**N.B.—**The Candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application to the department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.**

4. A candidate must have—

(a) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or

(b) passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or

(c) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign University/College/Institution and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or

(d) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or

(e) passed Associate Membership Examination Parts II and III, Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or

(f) Passed Associate Membership Examination (Sections A and B) of the Institution of Mechanical Engineers (India); or

(g) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November, 1959.

The Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio-Engineers London, held prior to November, 1959 is also acceptable subject to the following conditions :—

(1) that the candidates who have passed the examination held prior to November, 1959, should have appeared and passed in the following additional papers according to post-1959 scheme of Graduate Membership Examination :

(i) Principles of Radio and Electronics I (Section 'A').

(ii) Mathematics II (Section 'B')

(2) that the candidates concerned should produce certificate from the Institution of Electronics and Radio Engineers, London in fulfilment of the condition prescribed at (1) above.

Provided that a candidate for the posts of Engineer, Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications and Indian Broadcasting (Engineers) Service; may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below namely —

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics, or Radio Engineering as a special subject.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result may, apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 17th December, 1990.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 3.—A candidate who is otherwise qualified by who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9 The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final

10 No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of —

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s) : or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff-employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or, as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable —

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

DEPARTMENTAL CANDIDATES WILL, HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CAN-

DIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless the Government is satisfied after such an inquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). For this purpose the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital Northern Railway, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

*The candidates should note that no requests for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.*

The attention of the candidates is invited to the regulations relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have competed/expressed preferences to the UPSC.

The candidates may also please note :

(i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;

(ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and

(iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD).

In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled/ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of each Service.



## 18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a Marriage with a person having a spouse living, or  
 (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examination which candidates have to pass after entry into service.

20. Brief particulars relating to the services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in appendix III.

A. N. SHUKLA  
 Secretary  
 Railway Board

## APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—The written examination will comprise two sections—Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details of the written examination i.e. subjects, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below :

Part II.—Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination :—

**Category I—CIVIL ENGINEERING**  
 (cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
<b>Section I—Objective Papers</b>			
General Ability Test . . . . . (Part A : General English) (Part B : General Studies)	01	2 hours	200
Civil Engineering Paper I . . . . .	11	2 hours	200
Civil Engineering Paper II . . . . .	12	2 hours	200
<b>Section II—Conventional Papers</b>			
Civil Engineering Paper I . . . . .	13	3 hours	200
Civil Engineering Paper II . . . . .	14	3 hours	200
<b>Total :</b>			<b>1000</b>

**Category II—MECHANICAL ENGINEERING**  
 (cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
<b>Section I—Objective Papers</b>			
General Ability Test . . . . . (Part A : General English) (Part B : General Studies)	01	2 hours	200
Mechanical Engineering Paper I . . . . .	21	2 hours	200
Mechanical Engineering Paper II . . . . .	22	2 hours	200
<b>Section II—Conventional Papers</b>			
Mechanical Engineering Paper I . . . . .	23	3 hours	200
Mechanical Engineering Paper II . . . . .	24	3 hours	200
<b>Total</b>			<b>1000</b>

**Category III—ELECTRICAL ENGINEERING**  
 (cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
<b>Section I—Objective Papers</b>			
General Ability Test . . . . . (Part A : General English) (Part B : General Studies)	01	2 hours	200
<b>Electrical Engineering</b>			
Paper I . . . . .	41	2 hours	200
<b>Electrical Engineering</b>			
Paper II . . . . .	42	2 hours	200
<b>Section II—Conventional Papers</b>			
Electrical Engineering Paper I . . . . .	43	3 hours	200
Electrical Engineering Paper II . . . . .	44	3 hours	200
<b>Total</b>			<b>1000</b>

**Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING**  
 (cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
<b>Section I—Objective Papers</b>			
General Ability Test . . . . . (Part A : General English) (Part B : General Studies)	01	2 hours	200
<b>Electronics &amp; Telecommunication Engineering</b>			
Paper I . . . . .	61	2 hours	200
<b>Electronics &amp; Telecommunication Engineering</b>			
Paper II . . . . .	62	2 hours	200
<b>Section II—Conventional Papers</b>			
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I . . . . .	63	3 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II . . . . .	64	3 hours	200
<b>Total</b>			<b>1000</b>

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English. Question papers will be set in English only.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional papers of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

NOTE :— Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the Examination hall for reference purpose, wherever considered necessary.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Lending or inter-changing of calculators in the Examination hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

## SCHEDULE TO APPENDIX I

### *Standard and Syllabus*

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree Examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

### GENERAL ABILITY TEST (Code No. 01)

Part A : General English : The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

Part B : General Studies : The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

## CIVIL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 11 for objective type paper and 13 for conventional paper)

1. Building Materials and Construction.  
Stones, Timber, Bricks, Cement, Mortar, Concrete, Masonry, Steel.
2. Solid Mechanics.  
Stresses, Strain, Failure Theories of Solid Materials.  
Simple bending and torsion theories, shear centre.
3. Graphic Statics.  
Force Polygon, stress diagram.
4. Structural Analysis.  
Analysis of trusses and frames.  
Introduction to plastic Analysis.
5. Design of Metal Structures  
Working stress and ultimate strength design of simple structures.
6. Design of concrete and Masonry Structures.  
Design of masonry walls, working stress design of plain, reinforced and prestressed concrete; ultimate strength design of reinforced and prestressed concrete.

Paper II (Code No. 12 for objective type paper and 14 for conventional paper)

1. Fluid Mechanics, Water Resources Engineering.  
Open channel and pipe flow. Hydrology Design of canals and hydraulic structures.
2. Soil Mechanic and Foundation Engineering and their general principles Strength parameters. Earth pressure Theories, Design of Shallow and deep foundations.
3. Transportation Engineering including Railway Engineering and Surveying. Roads superelevation. Ruling gradient, pavements. Traffic controls, Design considerations.
4. Environmental Engineering  
Water purification, Sewage treatment and disposal.
5. Construction, Planning and Management.  
Elements of construction practice, Bar charts, CPM, PERT.

## MECHANICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 21 for objective type paper and 23 for conventional paper)

### 1. Thermodynamics

Laws, Properties of ideal gases and vapours, Power cycles, Gas Power Cycles, Gas Turbine Cycles, Fuels and combustion.

### 2. I. C. Engines

C.I. and S.I. Engines Detonation, Fuel injection and carburation. Performance and Testing. Turbo Jet and Turbo-prop, Engines, Rocket Engines Elementary Knowledge of Nuclear Power Plants and Nuclear Fuels.

### 3. Steam Boilers, Engines, Nozzles and Steam Turbines

Modern boilers. Steam Turbines types. Flow of Steam through nozzles. Velocity diagrams for impulse and Reaction Turbines. Efficiencies and Governing.

### 4. Compressors Gas, Dynamics and Gas Turbines, Reciprocating, Centrifugal and axial flow compressors.

Velocity diagrams, Efficiency and performance. Effect of Mech. number on flow, Isentropic flow. Normal Shocks and Flow through nozzles. Gas Turbine Cycle with multistage compression, Reheating and Regeneration.

### 5. Heat Transfer, Refrigeration and Air-Conditioning

Conduction, Convection and Radiation. Heat exchangers, types, Combined Heat Transfer. Overall Heat Transfer coefficient. Refrigeration and heat pump Cycles. Refrigeration systems. Coefficient of performance, Psychrometrics and psychrometric chart. Comfort indices. Cooling and dehumidification methods. Industrial Air-conditioning Processes. Cooling and heating loads calculations.

### 6. Properties and classifications of fluids.

Fluid statics, kinematics and dynamics; principles and applications. Manometry and Buoyancy. Flow of ideal fluids. Laminar and turbulent flows. Boundary layer theory. Flow over immersed bodies. Flow through pipes and Open Channels. Dimensional analysis and similitude technique.

Non-dimensional specific speed and classification of fluid machines in general. Energy transfer relation performance and operation of pumps and of impulse and reaction water turbines. Hydronic power transmission.

Paper II (Code No. 22 for objective type paper and 24 for conventional paper)

### 7. Theory of Machines

Velocity and acceleration (i) of moving bodies, (ii) in machines. Klien's construction Inertia forces in machines. Cams; Gears and Gearing. Fly wheels and

Governors. Balancing of Rotating and Reciprocating masses. Free and forced vibrations of systems. Critical speeds and whirling of shafts.

### 8. Machine Design

Design of : Joints—Threaded fasteners and Power Screws—Keys, Kotters, Coupling—Welded Joints—Transmission system : Belt and chain drives—wire ropes—shafts.

Gears—sliding and Rolling bearings.

### 9. Strength of Materials.

Stress and strain in two dimensions; Mohr's circles; relations between Elastic Constants.

Beams : Bending moments, shearing forces and reflection.

Shafts : Combined bending, direct and torsional stresses.

Thick Walled cylinders and spheres under Pressure. Spring, Struts and columns. Theories of failure.

### 10. Engineering Materials

Alloys and Alloying Materials, heat treatment; Composition; properties and uses. Plastics and other newer engineering materials.

### 11. Production Engineering

Metal Machining : Cutting Tools; Tool Materials, Water and Machinability, measurement of cutting forces.

Process : Machining—Grinding, Boring, Gear, Manufacturing, Metal forming, Metal casting and jointing, Basic, Special Purpose, Programme and numerically-Controlled machine Tools, Jigs and fixtures (locating elements).

### 12. Industrial Engineering

Work study and work measurement Wage incentive. Design of Production System and Product Cost, Principles of Plant layout. Production Planning and Control. Material handling. Operations Research. Linear Programming Queuing Theory. Value Engineering Network Analysis, CPM and PERT. Use of Computers.

## ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 41 for objective type paper and 43 for conventional paper)

### 1. Electrical Circuits

Network theorems, Response of network to step, ramp, impulse and sinusoidal inputs, Frequency domain analysis. Two port networks elements of network synthesis. Signal-flow graphs.

**2. EM Theory**

Electrostatics Magnetostatics using vector methods. Fields in dielectrics in conductors and in magnetic materials. Time varying fields, Maxwell's equations. Planewave propagation in conducting & Dielectric media; properties of Transmission lines.

**3. Material Science : (Electric Materials)**

Band Theory. Behaviour of dielectrics in static and alternating fields. Piezoelectricity. Conductivity of Metals. Super conductivity. Magnetic Properties of materials. Ferro and ferri-magnetism. Conduction in Semiconductors, Hall effect.

**4. Electrical Measurements**

Principles of Measurement. Bridge measurement of Circuit parameters. Measuring Instruments. VTVM and CRO, Q-Meter, Spectrum analyser. Transducers and measurement of non-electrical quantities, digital measurement, telemetering data recording and display.

Paper II (Code No. 42 for objective type paper and 44 for conventional paper)

**5. Elements of Computation**

Digital system algorithms, flow-charting. Storage : Type statements, array storage Arithmetic expression, logical expressions, Assignments statements. Programme structure Scientific and Engineering applications.

**6. Power Apparatus & Systems**

Electromechanics : Principles of electro mechanical energy conversion. Analysis of D.C., synchronous and Induction Machines. Fractional horse-power motors. Machines in Control Systems. Transformers, Magnetic Circuits and Selection of motors for drives. Power System : Power generation : Thermal Hydro. and Nuclear Power Transmission, Corona Bundle conductors. Power Systems Protection. Economic operation. Load frequency control, stability analysis.

**7. Control Systems**

Open-loop and closed loop systems, Response analysis Root-locus technique, stability, compensation and design techniques. State variable approach.

**8. Electronics & Communications**

Electronics : Solid state devices and circuits. Small signal amplifier design. Feedback amplifiers Oscillators and operational amplifiers, FET circuit and linear ICs Switching circuits Boolean Algebra. Logic circuits. Combinational and sequential digital circuit. Communications : Signal analysis. Transmission of signals. Modulation & Detection. Various types of communication systems. Performance of communication systems.

**ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING**

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 61 for objective type paper and 63 for conventional paper)

**1. Materials Components and Devices**

Structure and properties of electrical engineering materials. Passive components—types and properties. Active components—types and properties.

Solid State Devices—Physics, Characteristics and models.

**2. Network Theory**

Network Theorems. Steady State and transient response of electric circuits. Network analysis Elementary network synthesis.

**3. Electromagnetic Theory**

Field theory. Transmission line theory. Antenna Theory. Propagation of electromagnetic waves in bounded and unbounded media.

**4. Measurements and Instrumentation**

Measurement of basic-electrical quantities. Measuring instruments and their principles of working. Transducers.

Measurement of non-electrical quantities.

Paper II (Code No. 62 for objective type paper and 64 for conventional paper)

**1. Linear and Non-linear Analog Circuits.**

Basic Linear electronics circuits. Pulse shaping circuits. Wave form Generators, Stabilizers.

**2. Digital Circuits**

Logic circuits and Gates. Computing Circuits Combinational and sequential circuits.

**3. Control Systems**

Feedback theory, Control system components. Response of Control Systems. Design of practical system.

**4. Communication Systems**

Basic Information Theory. Modulation and Detection processes. Various types of communication systems. Radio and Line communications. Television and

Radar Navigational aids Satellite communication principles.

**5. Microwave Engineering**

Microwave Sources. Microwave Components and networks. Measurement at microwave frequencies Microwave Communication Systems.

## APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL  
EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.]

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board].

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidate cannot be accepted are as follows :

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D.			
(a) For Male candidates	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(b) For Female candidates	150 cm.	79 cm.	5 cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidate belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwails, Assamese, Nagaland Tribes, etc. whose average height is distinctly lower.

(c) For Group A the Indian Ordnance Factories Service Group A and Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B' a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standards, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fraction of a kilogram should not be noted.

6. The candidates eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for service.

- (ii) **Visual Acuity.**—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Services	Distant vision		Near vision	
	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye
1	2	3	4	5

#### A. Technical

1. Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal)
2. Central Engineering Service Group A, Central Electrical, and Mechanical Engineering Service Group A, Indian Inspection Service Group A, Central Water Engineering Service Group A, Central Power Engineering Service Group A, Central Engineering Service (Roads) Group A and Indian Telecommunication Service Group A, Assistant Executive Engineer Civil & Electrical) Group 'A' (P & T) Civil Engineer Wing Post of Engineer, Group A, In W.P. & C. Wing 1 Monitoring Organisation Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance Factories Service Group A, Border Road Engineering Service Group 'A' Assistant Engineer, Group 'B' Civil Construction Wing in AIR, Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

6/6 6/12 J/I J/II  
6/9 6/9

1	2	3	4	5
3. Military Engineer Services, Group 'A' Assistant Manager (Factories) Group—'A', P & T Telecommunication Factories Organisation and Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B'.	6/6 6/9	6/18 6/9	JI	JII

#### B. Non-Technical

Indian Railway Stores Service, Indian Supply Service, Group A and Mechanical Engineer (Junior) Group A. Drilling Engineer (Jr.) Group A in G.S.I.

#### NOTE (1)

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed + 4.00D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

#### NOTE (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service, Group A and Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :

Grade	Higher grade of colour perception	Lower grade of colour perception.
1. Distance between the lamp and the candidate	16/	16/
2. Size of aperture	1.3 mm	13 mm
3. Times of exposures	5 seconds	5 second

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Services connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Services/posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below :—

**Technical Services or posts requiring higher grade colour Perception**

- (i) Railway Engineering Services
- (ii) Military Engineering Services.
- (iii) Central Engineering Service (Roads).
- (iv) Central Power Engineering Service.
- (v) Assistant Manager (Factories) Group 'A' (P&T) Telecom, Factories Organisation.
- (vi) Border Roads Engineering Service, Group 'A'.
- (vii) Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B'.

**Technical Services or posts requiring lower grade colour Perception**

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical), Group A (P&T, Civil Engineering Wing), Class I P&T.
- (vii) Junior Scale in Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless, Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation.
- (ix) Assistant Engineer (Civil Electrical) Group 'B' Civil Construction Wing in A.I.R.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge Green's lanterns shall be used for testing colour vision.

**NOTE (3) Field of vision.**—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

**NOTE (4) Night Blindness.**—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improve such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

**NOTE (5)** For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo tests for night blindness when considered necessary by the Medical Board. For Survey of India Group 'A' Service the candidate may be required to pass a 'stereoscopic fusion' test.

**NOTE (6) Ocular conditions, other than visual acuity—**

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint.*—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential squint even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub-normal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has :

(i) 6/6 distant vision and 11 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 diopters for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for Posts/Services classified as "TECHNICAL".

**NOTE (7) Contact Lenses.**—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed.

**NOTE (8)** It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15-foot candles.

**NOTE (9)** It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

**7. Blood pressure.**

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15–25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age general rule 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

#### *Method of taking Blood Pressure*

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from clother to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to above 200 mm. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and re-appear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialists will carry out whatever examinations, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion fit or unfit. The candidate will not be required to appear in

person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case, it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Services, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group A and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

1	2	3
(1) Marked or total deafness in one ear other being normal.	Fit for jobs if the deafness is upto 30 decible in higher frequency.	non-technical
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.	Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decible in speech frequencies of 1000 to 4000.	
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.	(i) One ear normal other ear perforation or tympanic membrane present—Temporarily unfit under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with	



1	2	3	
			(b) that his/her speech is without impediment;
			(c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth) will be considered as sound;
			(d) that the chest is well formed and his chest expansion is sufficient; and that his heart and lungs are sound;
			(e) that there is no evidence of any abdominal disease;
			(f) that he is not ruptured;
			(g) that he does not suffer from hydrocele, varicocele, veins or piles;
			(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
			(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
			(j) that there is no congenital malformation or defect;
			(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
			(l) that he bears marks of efficient vaccination;
			(m) that he is free from communicable disease.
			11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.
			In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration; the Chairman of the Board may consult a Hospital psychiatrist psychologist etc.
			When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.
			12. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such a manner as may be prescribed by the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. Alongwith appeal the candidates must submit a medical certificate by a registered doctor specifically mentioning that he is aware of the candidate having been declared unfit by a Medical Board. Candidates must have a copy of this certificate when they present themselves before the Medical Board. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which the decision of the first Medical Board is conveyed to the
		marginal or other Perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.	
		(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.	
		(iii) Central Perforation both ears Temporarily unfit.	
(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.	(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both, technical and non-technical jobs.	(ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.	
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated.	Temporarily Unfit for both technical and non technical jobs.		
(6) Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.	(ii) If deviated nasal septum is present with Symptoms—Temporarily Unfit.	
(7) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.	(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.	
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.	(i) Benign Tumours—Temporarily Unfit.	(ii) Malignant Tumours—Unfit.	
(9) Otosclerosis	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.		
(10) Congenital defects of ear, nose or throat.	(i) If non interfering with functions—Fit.	(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.	
(11) Nasal Poly.	Temporarily Unfit,		

[illegible]



12 **Canto Urinary System** Any evidence of Hydrocele, varicocele etc., Urine analysis

- (a) Physical Appearance . . . . .  
 (b) Sp. Gr . . . . .  
 (c) Albumen . . . . .  
 (d) Sugar . . . . .  
 (e) Casts . . . . .  
 (f) Cells . . . . .

13 Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate

NOTE :—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 9

15 For which Services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?

Is the candidate fit for Field Service ?

NOTE The Board should record their findings under one of the following categories —

- (i) Fit . . . . .  
 (ii) Unfit on account of . . . . .

President . . . . .  
 Member . . . . .

Place . . . . .

Date . . . . .

### APPENDIX III

**BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION**

1. INDIAN RAILWAY SERVICE OF ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF ELECTRICAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF SIGNAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS AND INDIAN RAILWAY STORES SERVICE

(a) **Probation.**—Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in a working post if the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the

working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government

(b) **Training.**—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such places and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time

(c) **Termination of appointment.**—(i) The appointment of probationers can be terminated by three months' notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however required in case of dismissal or removal as disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government, however, reserve the right to terminate the services forthwith

(b) If in the opinion of the Government the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(iii) Failure to pass the departmental examination may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall be liable to termination of services

(d) **Confirmation.**—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service of they are considered fit for appointment in all respects

(e) **Scales of pay.**

(i) **Junior Scale** :— 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) **Senior Scale** :—Rs 3000-100-3500-125-4500.

(iii) **Junior Administrative Grade** :—Rs. 3700-125-4700-150-5000

(iv) **Senior Administrative Grade** :—Rs. 5900-200-6700.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 5900/- and Rs. 8000/- to which the officers of the above Services are eligible

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent in probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments

(f) *Refund of the cost of training*:—If for any reasons which in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation. For this purpose probationers will be required to furnish a Bond, a copy of which will be enclosed along with their offers of appointment. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of the training.

(g) *Leave*:—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) *Medical attendance*:—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) *Passes and Privilege Ticket Orders*:—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) *Provident Fund and Pensions*:—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non contributory) under the rules of that Fund as a force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/Posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(l) *Liability to serve in Defence Services*:—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any:

provided that such person:—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

## 2. CENTRAL ENGINEERING SERVICE GROUP A AND CENTRAL ELECTRICAL & MECHANICAL ENGINEERING SERVICE, GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation

they would be considered for confirmation or continuance in their appointment if permanent posts are available. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services Group 'A' are eligible for promotion to the next higher grade viz., Executive Engineer after completion of five years service in the grade of Assistant Executive Engineer, subject to availability of vacancies and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any:

Provided that such person:—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) the following are the rates of pay admissible:—

(i) J.I.S. (A.R.E.) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000

(ii) S.T.S. (E.E.) Rs. 3000-100-3500-125-4500

(iii) Junior Administrative Grade (S.E.).

(a) Ordinary Grade Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(b) Selection Grade Rs. 4500-150-5700.

(iv) Senior Administrative Grade (C.E.) Rs. 5900-200-6700.

(v) Super time Scale

Additional D.G.	Rs. 7300—7600	These Posts are common to all the three disciplines i.e. Civil, Electrical and Mechanical and Architectural.
D.G(W)	Rs. 8000 fixed	

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

*(i) Central Engineering Service Group A*

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highways and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

*(ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A*

Candidates recruited to this Service Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air-conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops, procurement and upkeep of communication machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

**INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE,  
GROUP A**

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Ordnance Factories/Chairman, OF Board. Probationer will undergo such practical training as may be provided by the Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will be a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any; provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidate shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under S.R.O. No. 97, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the Scales of Pay admissible :—

<i>Jr. Time Scale</i>	Rs. 2200-75-2800-BB-100-4000.
<i>Sr. Time Scale</i>	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
<i>Jr. Admin. Grade (OG)</i>	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
<i>Jr. Admin. Grade (S.G.)</i>	Rs. 4500-150-5700.
<i>Sr. Admin. Grade</i>	Rs. 5900-200-6700.
<i>Sr. General Manager</i>	Rs. 7300-100-7600.
<i>Addl. DGOF/Member, OFB</i>	Rs. 7300-200-7500-250-8000.
<i>DGOF/Chairman, OFB</i>	Rs. 8000.

NOTE :—The pay of Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64-D(Appts.) 1951/D(Civ-1/ dated the 25th November, 1965 as amended from time to time.

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Musoorie/Nagpur.

(e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

**INDIAN TELE-COMMUNICATION SERVICE,  
GROUP A**

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or such that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officer will be required to pass any departmental examination or examination that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Officers will also be required to pass professional and language test.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale : Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

Senior Scale : Rs. 3000-100-3500-125-4500.

Junior Administrative Grade : Rs. 3700-125-4700-150-5000.

Selection Grade IAG : Rs. 4500-150-5700.

Senior Administrative Grade : Rs. 5900-200-6700.

NOTE :—The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 2350 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunication Service Group A will not draw any increment till he passes the departmental examination.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Indian Telecommunication Service (Group A).

#### *Assistant Divisional Officer Engineering*

Assistant Divisional Officer Engineering will be Incharge of a Telegraphs/Telephones Engineering Sub-Division. Incharge of Carrier VFT, Coaxial Microwave, Long Distance, Electrical and Wireless and will work generally under a Divisional Engineer. They may also attend to Project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication works.

#### *Divisional Officer Engineering*

Divisional Officers Engineering are placed Incharge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance, Coaxial, Microwave maintenance Divisions and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Officers Engineering are attached to Project Organisations they will be required to do construction/installation job in the unit.

#### *Junior Administrative Grade*

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephone Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in Telecommunication systems etc. Overall incharge of management and administration of Minor Telephone District, Telecommunication Circles etc.

#### *Senior Administrative Grade*

Head of Telecommunications Circle/Telephone District/Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. General Managers Telecom Commission provides the top level assistance to the Telecom Commission in framing policy and in overall administration. Chief General Manager Telecom Engineering Centre and General Manager, Telecom Engineering Centre responsible for overall research activities of the Telecommunication Engineering Centre.

#### **5. CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE**

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years.

Provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to higher grade of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)

*Director/Superintending Engineer (Selection Grade) or any Engineer/Member/Chairman CWC after fulfilling the prescribed conditions.*

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering posts in Central Water Commission are as follows:

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

1. Assistant Director/Assistant Executive Engineer	Rs. 2200-75-2800-88 100-4000.
2. Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 3000-100-3500-125 4500.
3. Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-150 5000.
4. Director/Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer	Rs. 5900-200-6700
6. Member, CWC/Chairman GFCC	Rs. 7300-100-7600
7. Chairman, CWC	Rs. 8000 (fixed)

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.

*Assistant Director (Civil and Mechanical)*

Planning, Surveys, investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc., for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

*Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical)*

Responsible for the Sub-Division or other units of work allotted to him. He is required to maintain accounts records of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood with certain accompaniments for each work in progress in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc.

## 6. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

### (i) Description of the Organisation

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission Distribution and Utilization of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility technical analysis, economic viability, etc. to ensure that the schemes would fit into the overall development of the States as well as the Region and will conform the overall context of National economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy, power providing its main

(h) Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission.

Only a limited number of posts in the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 2200-75-2800-88 are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons appointed to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineering (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidates may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit, as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any. Provided that such person—

- shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

### (ii) Promotion to higher grades

The officers appointed to the posts of Assistant Director/Assistant executive Engineers are eligible for promotion to higher grade viz., Deputy Director/Executive Engineer/Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade), Deputy Chief Engineer and Chief Engineer subject to availability of vacancies in the grades concerned, after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group



(iv) *Scale of pay*

The scale of pay for the posts of the Central Power Engineering (Group A) Services in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority :—

Name of the Post	Pay Scale
1. Assistant Director/ Assistant Ex-Engineer	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
2. Dy. Director/Ex-Engineer	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
3. Director/Supr-Engineer	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
4. Dy. Chief Engineer	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer/Member Secretary.	Rs. 5900-200-6700.

**NOTE :** For purpose of fixation of pay on promotion from the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer to that of Deputy Director/Executive Engineer, Concordance Tables adopted on the recommendations of the Fourth Pay Commission, are applicable to the members of this Service.

(v) *Duties and responsibilities*

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection, operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/Power Systems, studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs or projects etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

7. *POSTS IN THE GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA—*

Persons recruited to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in the time scale of Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-. On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subject to the availability of substantive vacancies.

8—471 GI/89

The persons appointed to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India, shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any—

Provided that such a person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Drilling Engineer (Junior) or Mechanical Engineer (Junior) Geological Survey of India, and
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules and instructions on the subject :—

A—For Drilling Engineer (Junior) Group 'A'—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.

- (i) Drilling Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (ii) Director (Drilling)—Rs. 3700-125-4700-150-5000.
- (iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.
- (iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600.

B—For Mechanical Engineer (Junior) (Group A)—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.

- (i) Mechanical Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (ii) Director (Mechanical Engineering)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
- (iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.
- (iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

**NOTE :—**The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

*Nature of duties & responsibilities attached to the posts in Geological Survey of India Mechanical Engineer (Junior)*

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment, allotment of drivers & vehicles for various field duties and assignment, scrutiny and maintenance of P.S.L. issues and records, log books, history sheets etc.

**Drilling Engineer (Junior)**

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of core recovery, upkeep of machinery and vehicles deployed in good order security of Government Stores and imprest placed at his disposal, maintenance of stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under him.

**8 ENGINEERS (GROUP A) IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATIONS (DEPARTMENT OF TELE-COMMUNICATIONS)**

(a) Scale of pay Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

(b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing Engineer-in-Charge Monitoring Organisation (Scale of Pay Rs. 3000-100-3500-125-4500 plus Rs. 100/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser Engineer-in-charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Adviser and Engineer-in-charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser / Engineer-in-charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser (Scale Rs. 3700-125-4700-150-5000). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.

(d) Any person appointed to the post of Engineer shall if so required be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such a person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(e) Nature of Duties and Responsibilities Attached to the Posts.

(i) Supervision guidance and training of staff in the different units of the WPC Wing/Wireless Monitoring Organisation.

(ii) Installation, calibration, testing and maintenance of various categories of electronic equipment, antennae and ancillaries employed in radio frequency monitoring, covering the entire radio frequency spectrum and various types of emissions.

(iii) Licensing and inspection of wireless installations of the various user departments/organisations for different types of the radio communication services.

(iv) All aspects relating to national and international co-ordination for the use of radio frequency spectrum and geostationary satellite orbit, including preparation of allocation plans, establishment of relevant technical standards, type-approval of equipment, studies of electromagnetic interference/compatibility etc.

(v) Administration of Internal Radio Regulations including formulation and implementation of corresponding national rules and regulations.

(vi) Conducting of examinations for Certificate of Proficiency/Radio Amateurs etc. and issuing of respective licences.

(vii) Research and development work relevant to radio frequency management and monitoring.

(viii) National level preparation for the conference and meeting of International Telecommunication Union, and as appropriate, of other international/regional organisations dealing with telecommunications.

**9. CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS), GROUP A**

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

The officers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service of post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scales of pay admissible :

Assistant Executive Engineer —Rs. 2200—75—2800—EB-100—4000/-.

Executive Engineer—Rs. 3000—100—3500—125—4500/-.

Superintending Engineer—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

Superintending Engineer (Selection Grade)—Rs. 4500—150—5700.

Chief Engineer—

Rs. 5900—200—6700/-.

Additional Director General (Road/Bridges)—Rs. 7300—100—7600/-

Director General (Roads Development and Additions) Secretary—Rs. 7300—200—7500—250—8000/-.

NOTE The pay of Government Servant, Who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1)

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

To assist the senior technical officers at Headquarters and in the Regional Offices etc. of the Roads Wing, Ministry of Shipping and Transport in planning, preparing designs and estimates of Roads—Bridge works and scrutiny of proposals for such works received from the States and/or in procurement and upkeep of Central machinery.

#### 10. INDIAN BROADCASTING (ENGINEERS) SERVICE, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Every officer on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion in Junior Scale shall be on probation for a period of two years.

(i) Provided that the Controlling Authority may extend or curtail the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time.

(ii) Provided further that any decision for Extension of a probation period shall be taken within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

(iii) On completion of the period of probation or any extension thereof. Officers shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointments on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies, as the case may be.

(iv) if, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be Govt. is of opinion that an officer is not fit for permanent appointment in Government it may discharge or revert the candidate to the post held by him prior to his appointment in the Service, as the case may be or pass such orders as they deem fit.

(v) During the period of probation or any extension thereof candidates may be required by Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests (including examination in Hindi) as Govt. may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

(b) appointment to the Service :—All appointments to the service shall be made by the Controlling Authority for all the posts in various grades of the Service whether in 'Akashvani' or in 'Door-darshan'.

(c) Liability for service in any part of India and other conditions of service :—

(I) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(II) Any officer appointed to the Service, if so required, shall be liable to serve in any Defence Service or a post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any, provided that such officers :

(i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of his appointment to the Service or from the date of his joining prior to the initial constitution of the Services.

(ii) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid if he has attained the age of 40 years.

(d) The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable from time to time, to officers of Central Civil Services in general

The following are the scales of pay admissible :—

1. Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
2. Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
3. Junior Administrative Grade.	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
4. Junior Administrative Grade (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700
5. Senior Administrative Grade.	Rs. 5900-200-6700
6. Engineer-in-Chief	Rs. 7300-100-7600

Nature of Duties and responsibilities attached to the Post of Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service (Group 'A'), Designs, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers.

# 11. ASSISTANT ENGINEER (GROUP B) (CIVIL AND ELECTRICAL), CIVIL CONSTRUCTION WING, ALL INDIA RADIO, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

- (a) Appointment will be made on probation for a period of two years.
- (b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.
- (ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination intemperance, misconduct or breach or non-performance of

any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill-health for the discharge of his duties.

In the case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

(d) Assistant Engineer (Civil & Electrical)—Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500.

(e) Prospects of promotion to higher grades :—

(i) Assistant Engineers (Civil & Electrical), with a minimum of 8 years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Executive Engineer in the scale of Rs. 3000—100—3500—125—4500/-.

(ii) Executive Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Superintending Engineer in the scale of Rs. 3700—125—4700—150—5000/-.

The candidates, in the course of their service are promoted to various service ranks in the department as per recruitment rules in existence.

NOTE.—The remaining conditions of service such as leave, travelling allowance on transfers/tour, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concession, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc. will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

(f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Engineer (Civil & Electrical) : To execute the works according to the norms and standards laid down for the same in designs and drawings.

## 12. ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEER IN P&T CIVIL ENGINEERING WING—

(a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available and if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may, either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period at the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Group B Assistant Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

Group A :—

(i) Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) Executive Engineer/Surveyor of Works (Civil/Electrical) Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil/Electrical) Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(iv) Chief Engineer (Civil) Rs. 5100-150-5700.

(v) Chief Engineer (Civil/(Electrical) Rs. 5900-200-6700.

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in P&T Civil Wing are as follows :—

Candidates recruited to P&T Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P&T Department comprising of Residential Building Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. Executive Engineers/Asstt. Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

### 13. POST OF ASSISTANT DEVELOPMENT OFFICER (ENGINEERING) IN THE DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT :—

(a) Persons recruited to the post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development will be on probation for a period of two years.

(b) The scale of pay of this Group A Gazetted post is Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(c) Assistant Development Officers with 5-years service in the grade are eligible for promotion to the post of Development Officer in the Directorate General of Technical Development in the scale of pay of Rs. 3000-100-3500-125-4500. 90% of the post in the cadre of Development Officer are filled by promotion. Development Officers are eligible for promotion as Additional Industrial Adviser in the

scale of pay of Rs. 4100-125-4850-150-5300. Additional Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Industrial Adviser (Rs. 4500-150-5700). Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Rs. 5900-200-7300) and Deputy Director Generals in turn are eligible for promotion to the post of Secretary (TD) & DG (TD).

(d) Any person appointed on the result of this competitive examination shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointments;

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Development Officer—

He is required to assist the Development Officer in the development of industries in the respective divisions viz, Mechanical Engineering, Industrial Machinery, Machine Tools, Electrical Engineering, Automobile, Electronic Engineering Industries etc

### 14. POST OF WORKSHOP OFFICER IN THE CORPS OF EME, MINISTRY OF DEFENCE :—

(a) Persons recruited to the post of Workshop Officer in the Corps of EME will be on probation for a period of two years.

(b) Candidates appointed to the post will be liable to serve anywhere in India.

(c) The following are the scales of pay admissible :—  
(i) Workshop Officer Group B—2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

(ii) Workshop Officer Group A—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(iii) Senior Workshop Officer—Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iv) Workshop Superintendent—Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(v) Workshop Superintendent (Selection Grade)—Rs. 4500-150-5700.

(d) Duties—To function as an incharge of a section undertaking repairs of 'A', 'B' and 'C' Vehicles, Guns, Wireless and Radar Equipment and Instruments, will be required to work as Workshop Officer in EME Army Base Workshops/Station Workshops and/or Staff EME (Extra-Regimental Employment) appointments in lieu of captain (EME) or as Instructor in EME Training Establishments including administrative duties

- (e) The posts are non-pensionable in the initial stage, but become pensionable if and when made permanent. However, if a person holding a permanent pensionable post under Government is appointed he will continue to enjoy his pensionary status.

- (f) Candidates selected for the post are bounded for field service liability and should possess medical category I (one).

- g) The officers have chances of further studies like M. Tech., specialization in various disciplines viz. Radar, communication, tanks and guns etc. and various courses in foreign countries.

### 15 INDIAN SUPPLY SERVICE/INDIAN INSPECTION SERVICE :—

- (a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. On completion of the period of probation the officers, if considered fit for permanent appointment, will be confirmed in their appointments subject to availability of permanent posts. The Government may extend the period of two years of probation.

If on the expiry of the period of probation or any extension thereof, the Government are of the opinion that an officer is not fit for permanent employment, or if at any time during such period of probation or extension thereof they are satisfied that any officer will not be fit for permanent appointment on the expiry of such period or extension thereof they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

The officer will also be required to pass a prescribed test in Hindi before confirmation.

- (b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :—

Provided that such persons —

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

- (c) The following are the scales of pay admissible :—

#### *Junior Scale*

Assistant Director (Grade I) Scale Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

#### *Senior Scale*

Deputy Director Scale Rs. 3000—100—3500—125—4500.

#### *Junior Administrative Grade (Ordinary)*

Director Scale Rs. 3700—125—4700—150—5000

*Junior Administrative Grade (Selection Grade) (Non-Functional)*

Deputy Director General Scale Rs. 4500—150—5700.

#### *Senior Administrative Grade*

Additional Director General Scale Rs. 5000—200—6700.

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to this appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

- (d) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Indian Supply Service Group A/Indian Inspection Service Group 'A'.

### INDIAN SUPPLY SERVICE GROUP 'A'

The main item of work of the officers of the Indian Supply Service is the purchase of stores as also disposal of surplus stores on behalf of Government of India/Public Sector Undertakings etc. The officers of the Indian Supply Service are expected to possess requisite technical background to deal with the diversified nature of indents placed on the DGS & D and the Supply Wings of Embassies, High Commissions abroad.

### INDIAN INSPECTION SERVICE (GROUP A)

Inspection and test of Engineering articles and materials, and stores of allied nature, supervision of Junior Officers' work and ensuring that they are adequately instructed as to their work and duties : personal attention to work of importance, drafting of Technical reports, specification and Schedules of requirements and checking of the technical particulars of indents for engineering stores, rendering of technical advice and assistance in engineering matters to offices of other branches of the Department, indentors and manufacturers.

### 16. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE

#### Group 'A'

- (i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the

opinion of the Government, been unsatisfactory. Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

- (ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.

- (iii) The following are the scales of pay admissible to them :—

Assistant Executive Engineer—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

Executive Engineer—Rs. 3000—100—3500—125—4500.

Superintending Engineer—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

Chief Engineer—Rs. 5900—200—6700.

- (iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

No post of Chief Engineer exists at present on the Mechanical Engineering side.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above are those minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

- (v) The Officers appointed to the service are entitled to special compensatory allowance and free ration at prescribed scales when employed in certain specified areas besides the other usual allowances such as H.R.A. and C.C.A. etc., as admissible to Central Government Servants. They are also entitled to outfit allowances for the uniform.
- (vi) The Officers appointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' post would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.
- (vii) Ladies are ineligible for appointment in Border Roads Engineering Service Group A in view of the extension of the provisions of Section 12 of the Army Act to this Service.

#### 17. POSTS OF ASSISTANT MANAGER (FACTORIES) GROUP A IN THE P & T TELECOM. FACTORIES ORGANISATION :—

- (i) Persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) in the scale of pay of Rs. 2200—4000/- shall be on a probation for a period of 2 years.
- (ii) During the period of probation, the candidate shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.

- (iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager (Factories) shall, if so required to be liable to serve in the Defence Services or posts connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (iv) Prospects of promotion to higher grades :
- (a) Assistant Managers with a minimum of 5 years of a regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer (Sr. Time Scale) in the scale of Rs. 3000—4500/-.
- (b) Senior Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy General Manager/Manager (Factories) in Jr. Admn Grade in the scale of pay of Rs. 3700—5000/-.
- (c) Deputy General Manager/Manager with 5 years regular service rendered in the grade are eligible for promotion to the Non-Functional Selection Grade of Dy. General Manager/Manager (Selection Grade), Telecom Factory in the scale of Rs. 4500—5700.
- (d) Dy. General Manager/Manager with 8 years regular service in Junior Administrative Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) or 17 years of regular service in Group 'A' Post, out of which at least 4 years regular service should be in the JAG Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) are eligible for promotion to the Grade of General Manager Telecom Factory in the scale of Rs. 5900—6700 (Senior Administrative Grade).

- (v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts :

Asstt. Manager—Overall supervision of two or more production/non-production units. To act as Appointing/Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom. Factories.

Senior Engineer—Head of a branch viz., production planning, Development, Maintenance, Tools, etc. and to work as Appointing and Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom. Factories.

Deputy General Manager/Manager—To assist the General Manager in day-to-day work of general administration, production, discipline, planning etc.

In-charge of a Factory or Production Unit/Wing General Manager—Head of the Telecom Factory. Responsible for overall control of general administration, production, planning, discipline, etc in the Factory.

# 18. SURVEY OF INDIA GROUP 'A' SERVICE

1. Appointments will be made on probation for a period of two years :

Provided that the Controlling Authority may extend the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time in this regard.

Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken ordinarily within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

On completion of the period of probation or any extension thereof, as the case may be, if the Government is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment, for reasons to be recorded in writing, may discharge or revert the officer to the post held by him prior to his appointment in the service, as the case may be.

During the period of probation, or any extension thereof, candidates may be required by Government to undergo such courses of training and instructions and to pass examinations and tests (including examination in Hindi) as Government may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

2. Officers appointed shall be liable to serve anywhere in India and abroad.

3. Officers appointed shall be liable to undergo such training and be detailed on courses of instructions in India or abroad as the Government may decide from time to time.

4. Any person appointed on the result of competitive examination shall if so required be liable to serve in any defence services or posts connected with defence of India for a period not less than 4 years including the period spent on training, if any, provided that such persons shall not be required :—

- (i) to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;
- (ii) ordinarily to serve as the aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
Junior Administrative Grade	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
Selection Grade	
Junior Administrative Grade)	Rs. 4500-150-5700.
Senior Administrative Grade.	Rs. 5900-200-6700

6. Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Superintending Surveyor in the Survey of India :—

The officer will be required to meet the task of surveying maps of the boarder areas and need to be updated every year to provide maps with the latest available information on the ground to various users agencies.